सुविचार

अपनी जिंदगी में अगर वाकई कुछ हासिल करना है तो, अपने तरीकों को बदलों अपने इरादों को कभी नहीं।

दैनिक नर्मदा न्यूज

TO THE POINT

RNI.No.MPHIN/25/A3054

www.narmadanewsttp.com

पेज-7

● वर्ष-1, ● अंक- 288 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, शनिवार 11 अप्रैल, 2026 ● मूल्य 2 रुपए ● पृष्ठ 8

एमपी सरकार ने महिला उद्यमिता को दिया बड़ा बढ़ावा

● एमएसएमई विकास नीति-2025 ने महिलाओं को बनाया आत्म निर्भर ● महिला उद्यमियों के सपनों को दी बड़ी उड़ान

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को मध्यप्रदेश सरकार ने साकार किया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अगुवाई में एमएसएमई विकास नीति - 2025 और स्टार्ट-अप नीति - 2025 ने महिलाओं को उद्यमी बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

मध्यप्रदेश की नीतियों में महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व और योजनाओं के कारण ही 24 लाख 34 हजार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम में से 4.11 लाख यानि 17 फीसदी इकाइयां महिलाओं द्वारा संचालित हैं। गत वर्ष ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा लोकार्पित स्टार्ट-अप नीति में 7264 में से 3476 यानि 48 स्टार्ट-अप महिलाओं के हैं। मध्यप्रदेश की यह तस्वीर राज्य सरकार की देश में सशक्त उपस्थिति दर्ज कराता है। इससे स्पष्ट है कि महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत का सपना मध्यप्रदेश में साकार हो रहा है।

मध्यप्रदेश की एमएसएमई विकास नीति में बड़े प्रावधान

महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। अब उन महिला उद्यमियों को जो संयंत्र और मशीनरी में निवेश कर रही हैं, उन्हें 10 करोड़ तक के निवेश पर अधिकतम 48 प्रतिशत तक की पूंजी अनुदान दिए जाने का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं के लिए यह दर अधिकतम 50 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जबकि सामान्य वर्ग के लिए 40 प्रतिशत है। इस नीति से मार्च 2026 तक 24.34 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों में से करीब 4.11 लाख महिलाओं द्वारा स्थापित की गई हैं। 2025 में महिलाओं द्वारा स्थापित स्टार्ट-अप को 18 फीसदी वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। प्रति ट्रॉंच 18 लाख रुपये तक की मदद मिल सकती है और कुल सहायता 72 लाख रुपये तक हो सकती है। अन्य स्टार्ट-अप के लिए यह सीमा 15 फीसदी या 15 लाख रुपये है। अब तक 7264 मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप में से 3476 मतलब 48 फीसदी महिला उद्यमियों द्वारा चलाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश शासन के इन कदमों से महिला सशक्तिकरण में नई ऊंचाइयां हासिल हो रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

नीतिश कुमार के अनुभव से बढ़ेगी संसद की गरिमा

● प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा सांसद बनने पर दी बधाई

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण कर लिया है। नीतिश कुमार के शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा–नीतिश कुमार जी देश के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं। सुशासन को लेकर उनकी प्रतिबद्धता की हर तरफ सराहना हुई है। उन्होंने बिहार के विकास में अमिट योगदान दिया है। उन्हें एक बार फिर संसद में देखना बहुत सुखद होगा। पीएम मोदी ने आगे

लिखा– सांसद और केंद्रीय मंत्री के रूप में भी उन्होंने कई वर्षों तक अपनी सेवाएं दी हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके लंबे राजनीतिक अनुभव से संसद की गरिमा और बढ़ेगी। राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने पर उन्हें हार्दिक बधाई और आगे के कार्यकाल के लिए ढेरों शुभकामनाएं। इससे पूर्व शपथ ग्रहण से पहले संजय झा, रामनाथ ठाकुर, सम्राट चौधरी समेत अन्य नेताओं ने सीएम नीतिश कुमार से मुलाकात की थी। शपथ ग्रहण के दौरान बीजेपी और जेडीयू के कई बड़े नेता मौजूद रहे। इससे पहले सीएम नीतिश ने दिल्ली पहुंचने पर उन्होंने कहा था, हमने तय कर लिया है, जिसके बारे में आप सभी को पहले ही बता दिया है। पिछले 20 साल से बिहार में काम कर रहे हैं। अब दिल्ली में ही रहकर काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि वहां का सब कुछ छोड़कर अब यहीं रहेंगे। इतना ही नहीं, जब उनसे बिहार के मुख्यमंत्री पद और वहां की जिम्मेदारियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वो पटना वापस जायेंगे और सब कुछ व्यवस्थित कर देंगे।

दो कारें भिड़ीं, कॉन्स्टेबल का परिवार हो गया खत्म

● पत्नी, दामाद, बहन और भांजे समेत 6 की जान गई, शादी से लौट रहे थे

कांकेर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में भीषण सड़क हादसे में कॉन्स्टेबल मुनेंद्र नेताम के परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा नेशनल हाईवे–30 पर कोतवाली थाना क्षेत्र में दो कारों की आमने–सामने टक्कर से हुआ। जानकारी के मुताबिक, उड़कुडा निवासी नेताम परिवार गुरुवार रात करीब 11 बजे चीवरांज में शादी से लौट रहा था। नाथिया नवागांव के पास उनकी कार दूसरी कार से

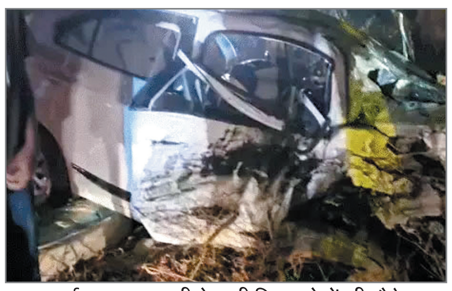

टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में मुनेंद्र नेताम की पत्नी कुंती नेताम, दामाद शगुनदास नेताम, बहन मकतुला नेताम और 7 साल का भांजा वंश नेताम के साथ दो रिश्तेदार भी शामिल हैं। हादसे में दोनों वाहनों के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को रायपुर रेफर किया गया है। टक्कर में दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दूसरी कार में सवार दो युवक घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि उनकी कार तेज रफ्तार में थी और ट्रक को ओवरटेक करते समय सामने से आ रही स्विफ्ट डिजायर से टकरा गई। इधर घटना की जानकारी मिलते ही हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा और घायलों को फौरन अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। एसपी निखिल राखेचा ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। दोनों वाहनों के 3 घायलों को रायपुर रेफर किया गया है।

भारत और अमेरिका अब मिलकर बनाएंगे हथियार!

● पेंटागन में हुई बैठक, एफ-35 पर भी मिला बड़ा हिंट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान युद्ध को लेकर इस वक्त जब हर किसी की नजर पश्चिम एशिया पर है उस वक्त भारत और अमेरिका के बीच काफी अहम बैठकें हो रही हैं। भारत के विदेश सचिव इस वक्त वॉशिंगटन में हैं जहां कई अमेरिकी अधिकारियों के साथ उनकी मुलाकात हुई है। इस दौरा विक्कम मिस्री पेंटागन पहुंचे थे जहां भारत

और अमेरिका ने बुधवार को उच्च-स्तरीय तकनीकों के सह-उत्पादन और सह-विकास के चल रहे प्रयासों के तहत, रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की है।

भारत-अमेरिका में डिफेंस प्रोडक्शन पर अहम बैठक

अमेरिका में भारतीय दूतावास ने यह भी बताया कि दोनों पक्षों ने पिछले साल हस्ताक्षर किए गये प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे के मुताबिक डिफेंस इंडस्ट्री, टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन संबंध को और गहरा करन पर बात हुई है। इसके अलावा बुधवार को भारतीय वायुसेना के प्रमुख एपी सिंह ने पीटरसन स्पेस फोर्स बेस का दौरा किया था। इसके बाद विभाग ने कहा कि इस बातचीत में जटिल ऑपरेशनल प्रक्रियाओं पर विचारों का सार्थक आदान-प्रदान हुआ जो बढ़ती साझेदारी की मजबूती को दर्शाता है। वहीं अटकले हैं कि अमेरिकी रक्षा उप-सचिव माइक डफी ने संकेत दिया कि एफ-35 पर बातचीत हो सकती है।

तीन हफ्तों से कम समय में दूसरी ऐसी मुलाकात

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अमेरिकी रक्षा विभाग के अधिकारियों के बीच पिछले तीन हफ्तों से भी कम सयम में ये दूसरी उच्चस्तरीय मुलाकात है। इससे पहले 25 मार्च को दोनों देशों ने एक रक्षा नीति समूह की बैठक की थी जिसमें एडवांस टेक्नोलॉजी के सह–उत्पादन और सह–विकास के लिए आगे की राह पर चर्चा की गई। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और स्के रक्षा उप–सचिव एल्ब्रिज कोल्बी की भी नई दिल्ली में मुलाकात हुई थी जिसमें दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग की गति को तेज करने पर जोर दिया था। कोल्बी ने उस समय कहा था कि यूएस, भारत के साथ अपनी रक्षा साझेदारी में नए दशक की ओर देख रहा है।

ऊर्जा क्षेत्र में रिसर्च, स्किल और नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

● भोपाल मैनिट-एनएचडीसी के बीच हुआ एमओयू

भोपाल। भोपाल स्थित मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) और एनएचडीसी के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य बिजली और ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, परामर्श और कौशल विकास को बढ़ावा देना है। इस समझौते के जरिए छात्रों को व्यावहारिक अनुभव, इंटर्नशिप और तकनीकी प्रशिक्षण के बेहतर अवसर मिलेंगे। दोनों संस्थानों का मानना है कि यह पहल देश के ऊर्जा भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगी। एमओयू हस्ताक्षर समारोह में दोनों संस्थानों के कई वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ मौजूद रहे। मैनिट की ओर से डॉ. अनुपमा शर्मा, डॉ. अरविंद मित्तल, डॉ. संजीव सिंह और डॉ. मीना अग्रवाल शामिल हुईं।

सहयोग के चार प्रमुख हिस्से

संयुक्त अनुसंधान : जलविद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में रिसर्च प्रोजेक्ट्स पर मिलकर काम किया जाएगा। परामर्श सेवाएं : औद्योगिक परियोजनाओं के विकास में मैनिट के विशेषज्ञों की भूमिका अहम होगी। कौशल विकास : छात्रों को इंटर्नशिप, प्रशिक्षण और विशेष तकनीकी कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा। ज्ञान का आदान-प्रदान : ग्रीन एनर्जी और नई तकनीकों पर ज्ञान साझा कर क्षमता निर्माण किया जाएगा।

बंगाल में भाजपा का वादा, महिलाओं को 3 हजार महीना

● 6 महीने में यूसीसी लागू होगा, ममता बोलीं-सांप पर भरोसा करना, बीजेपी पर नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी भरोसे का पत्र जारी किया। इसमें महिलाओं को 3 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 3 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में यूसीसी लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पत्र जारी करते हुए कहा बंगाल की जनता के लिए पिछले 15 साल बुरे सपने के जैसे रहे हैं। ममता घुसपैठियों के जरिए तीसरी बार सीएम बनी हैं। हम घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करेंगे। राज्य में दो फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। रिजल्ट 4 मई को आएगा। इधर, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के टेंटुलिया में चुनावी रैली की। उन्होंने यहां कहा- सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है, लेकिन बीजेपी पर नहीं। भाजपा असम चुनाव के लिए बाहर से लोगों को लेकर आई, उसे राज्य के निवासियों के वोटों से जीत का भरोसा नहीं था।

यह बंगाल की खोई हुई अस्मिता हासिल करने का अभियान

शाह ने कहा कि दस साल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसका उदाहरण स्थापित करने का काम किया है। देश के सामने की सभी समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया। कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैले पूरे देश में हर तबके हर वर्ग जाति सभी की आकांक्षाओं को संजोकर नरेंद्र मोदी ने देश की जनता के सामने रखा है। उस सपने को साकार करने के लिए दिन रात प्रयास किया है। कुछ समय पहले हमने हमारी चार्जशीट बंगाल के सामनेरखी थी। वह परिचायक थी कि 15 साल के ममता के शासन में जो घोर निराशा की।

नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देंगे

मोदी सरकार प्रयास कर रही है, लेकिन बंगाल सरकार बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही है। हम नदी–नालों की पेट्रोलिंग की वैज्ञानिक व्यवस्था करेंगे। सभी सरकारी पद परमानेंट कराने का काम करेंगे। यह सुनिश्चित करेंगे कि करोड़ों के घोटाले, जो पहले हुए हैं, वे न हों। पारदर्शिता के साथ युवाओं को नौकरी मिले, इसके लिए योजना बनाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की जिन योजनाओं का ममता बनर्जी ने कबाड़ा किया है, उन्हें पुनर्जीवित करने का काम करेंगे। कोलकाता के विकास के लिए योजना लाएंगे, ताकि यहां विकास हो सके।

शाह बोले- हम बंगाल के सपने को साकार करेंगे

शाह ने कहा कि गुरुदेव की जन्म जयंती के आसपास ही भय के कोहरे से बाहर आकर भरोसे का शासन स्थापित करेगी। 15 साल का बुरा सपना एक तरह से हर प्रकार के संकट का परिचायक रहा। हमारा संकल्पपत्र बंगाल के विकास का रास्ता खोलेगा। जहां मन भययुक्त न हो सिर गर्व से ऊंचा हो गुरुदेव की इस भूमि को हम साकार करेंगे। बंगाल की जनता की नया रास्ता ढूंढ़ेगी। ये भरोसा कानून के राज, रोजगार सोनार बांगला के निर्माण का है। इसके आधार पर हम इस चुनाव में रचनात्मक रूप से जाना चाहते हैं।

सुरक्षित क्षेत्र सीएम हाउस के पास हो गई डॉक्टर से लूट

● कूल्हे की हड्डी टूटी, रेकी के बाद वारदात

भोपाल। भोपाल में सीएम हाऊस के पास दो बाइक सवार बदमाशों ने शुक्रवार की सुबह डॉक्टर के साथ लूट कर ली। आरोपियों ने बाइक से उनकी साइकल को टक्कर मारी। आंख में मिर्च झोंकने के बाद उनके हाथ में पहना हुआ 11 तोला वजनी सोने का कड़ा छीन लिया। हर रोज सुबह 8 बजे से दस बजे के बीच साइकलिंग करने निकलते हैं। गिरते ही दो युवक बाइक से उतरे उन्होंने आंख में मिर्च झोंकी और डॉक्टर की जेब में रखा पर्स जिसमें ढाई हजार की नकदी थी। इसी के साथ उनकी स्मार्टवॉच और हाथ में पहना सोने का कड़ा छीन लिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। बदमाश हथियार से लैस थे।

घायल डॉक्टर का इलाज जेपी अस्पताल में चल रहा है

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। टीआई भूपेंद्र कौल संधू के मुताबिक, प्रोफेसर कॉलोनी में रहने वाले 50 साल के डॉक्टर मनोज वर्मा टीवी ट्रेनिंक सेंटर भोपाल के डायरेकटर हैं। शुक्रवार की सुबह दस बजे किलोल पार्क से दानिश आईस्क्रीम पार्लर के बीच, पीछे से आए दो अज्ञात बाइक सवार युवकों ने उनके साइकिल को जोरदार टक्कर मारकर गिरा दिया।

कांसिर्फ अनाज उगाने से नहीं बढ़ेगी प्रदेश के किसानों की आय

● शिवराज सिंह भोपाल में बोले- किसान इंटीग्रेटेड फार्मिंग अपनाएं

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए एक बड़ा विजन पेश किया है। भोपाल में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारतीय किसानों, विशेषकर छोटे किसानों की आर्थिक स्थिति केवल गेहूं और धान पैदा करने से नहीं सुधरेगी। आय में क्रांतिकारी बदलाव के लिए किसानों को इंटीग्रेटेड फार्मिंग (एकीकृत कृषि) की ओर मुड़ना ही होगा। अनाज के साथ शहद और मछली भी पालें किसान शिवराज सिंह ने कहा कि भारत में औसतन जोत का आकार मात्र 0.96 हेक्टेयर है। इतने छोटे खेत में पारंपरिक खेती से गुजारा मुश्किल है।

भोपाल के बड़ा तालाब में कब्जे को हटाने की कार्रवाई

● हलालपुरा में तहसीलदार टीम लेकर पहुंचे; अवैध कब्जे पर चली जेसीबी

भोपाल। भोपाल के बड़ा तालाब को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए जिला प्रशासन ने शुक्रवार की सुबह से कार्रवाई फिर शुरू दी है। बैरागढ़ तहसीलदार हर्षविक्रम सिंह टीम के साथ हलालपुरा क्षेत्र में पहुंचे। यहां पर कई अतिक्रमण लिस्टेड किए गए हैं। इन्हें जेसीबी की मदद से हटाया जा रहा है। चार दिन पहले भदभदा क्षेत्र में कार्रवाई की गई थी। बता दें कि प्रशासन ने तालाब के चारों ओर कुल 347 अतिक्रमण चिन्हित किए हैं, जिन्हें अगले 15 दिनों में हटाया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भोज वेटलैंड रूल्स लागू होने (16 मार्च 2022) के बाद बने सभी निर्माण हटाए जाएंगे। बड़ा तालाब के फुल टैंक लेवल) से 50 मीटर तक के अतिक्रमण पर कार्रवाई की जा रही है। इसके चलते शुक्रवार को तहसीलदार सिंह ने हलालपुरा स्थित तालाब किनारे पर कार्रवाई शुरू की। एक मैरिज गार्डन के आगे एक फार्म हाउस पर करर्वाई की गई है।

दिल्ली, नोएडा वालों को ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

कालिंदी कुंज में बनेगा टू-वे फ्लाईओवर, डीपीआर तैयार, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। कालिंदीकुंज दिल्ली और नोएडा सीमा का एक ऐसा व्यस्त चौराहा है, जहां नोएडा, फरीदाबाद, बदरपुर और सरिता विहार सहित कई दिशाओं से आने वाले भारी वाहनों का दबाव रहता है। सुबह-शाम पीक आवर्स में यहां भीषण जाम लगता है। छोटे से लेकर बड़े वाहन मुश्किल से खिसक पाते हैं। वहीं दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का हिस्सा खुलने के बाद से इस चौराहे पर ट्रैफिक का दबाव और बढ़ गया है। कालिंदी कुंज चौराहे पर लगने वाले जाम को कम करने के लिए एनएचएआई इसे सिग्नल फ्री बनाने की तैयारी कर रहा है। यहां टू-वे फ्लाईओवर के साथ ही दो नए लूप बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 500 करोड़ रुपये का बजट भी उपलब्ध कराया है। एनएचएआई अधिकारियों के मुताबिक दो नए लूप बनने के बाद कालिंदी कुंज चौराहा पूरी तरह सिग्नल फ्री हो जाएगा। टू-वे फ्लाईओवर के

प्रस्ताव के लिए एक डीपीआर पहले ही तैयार की जा चुकी है, जो मदनपुर खादर पुलिस चौराहे को नोएडा से जोड़ेगा और नोएडा से खादर पुलिया तक वापसी का एक लिंक भी प्रदान करेगा। दो 'लूप रोड' में पहला उन वाहन चालकों के लिए होगा, जो नोएडा (कालिंदी कुंज पुल) से फरीदाबाद और मुंबई एक्सप्रेस-वे की ओर जा रहे हैं, वे बाएं मुड़कर कालिंदी कुंज चौराहे को पूरी तरह से बायपास कर सकेंगे। दूसरा उल्टी दिशा से बनाया जाएगा। यह उन वाहन चालकों के लिए है जो फरीदाबाद और मुंबई एक्सप्रेसवे से नोएडा की ओर आ रहे हैं। यह सीधे ओखला बैराज रोड से जुड़ जाएगा। इसके लिए मौजूदा चौराहा चालू रहेगा, इसे सिग्नल-फ्री बनाया जाएगा और इसके कुछ हिस्सों को चौड़ा किया जाएगा।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सबसे पहले अगस्त 2025 में इस प्रस्ताव को उठाया था। संयुक्त आयुक्त ट्रैफिक संजय कुमार त्यागी के मुताबिक तब एनएचएआई को चिट्ठी लिखी गई थी। यहां भीषण जाम से प्रतिदिन आमजन को होने वाली दिक्कतों पर ध्यान देने और बुनियादी ढांचे में तत्काल सुधार करने का अनुरोध किया गया था। एनएचएआई ने मामले को उच्चाधिकारियों के समक्ष उठाया। प्रस्तावित इंटरचेंज के लिए डीपीआर तैयार है। हालांकि निर्माण कार्य कब शुरू होगा, यह तय नहीं है, पर एनएचएआई की मंजूरी और डीपीआर बनने के बाद इसके जल्द शुरू होने का अनुमान है। इस मुद्दे के लोकसभा में भी उठाया था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में अवैध शराब तस्करी का भंडाफोड़, हरियाणा से लाई जा रही थी खेप

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने अंतरराज्यीय अवैध शराब तस्करी के नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 1700 क्वार्टर अवैध शराब और एक मारुति ईको कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई शराब पर 'फॉर सेल इन हरियाणा ओनली' अंकित था, जिसे अवैध रूप से दिल्ली में खपाया जा रहा था। डीसीपी पूर्वी जिला राजीव कुमार ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में स्पेशल स्टाफ की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक सफेद ईको कार में भारी मात्रा में अवैध शराब लाई जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने कल्याणपुरी और त्रिलोकपुरी इलाके में घेराबंदी की। पुलिस को देखकर कार में सवार दो लोग मौके से फरार हो गए, लेकिन तलाशी के दौरान 34 कार्टन में भरी 1700 क्वार्टर शराब बरामद कर ली गई। वहीं, जांच के दौरान पुलिस ने त्रिलोकपुरी निवासी 25 वर्षीय सचिन कुमार को गिरफ्तार किया, जिसके घर में शराब उतारी और छिपाई जा रही थी। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले भी शराब तस्करी के मामलों में शामिल रहा है। डीसीपी ने कहा कि इस कार्रवाई से अवैध शराब की सप्लाई चेन को बड़ा झटका लगा है और फरार अन्य आरोपियों की तलाश के लिए लगातार छापामारी की जा रही है।

दिल्ली के न्यू रोहतक रोड पर ट्रैफिक बदलाव को लेकर एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने न्यू रोहतक रोड पर ट्रैफिक को लेकर महत्वपूर्ण

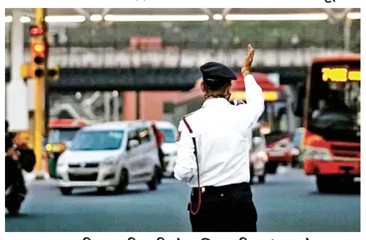

एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड द्वारा 220 केवी अंडरग्राउंड केबल बिछाने के काम के कारण 9 अप्रैल 2026 से 17 मई 2026 तक न्यू रोहतक रोड पर ट्रैफिक नियमों में बदलाव किया जाएगा। इस दौरान लिबर्टी सिनेमा से कमल टी-पॉइंट तक सड़क कटाई का काम चल रहा है, जिससे इस पूरे हिस्से पर यातायात प्रभावित रहेगा। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, पीक ऑवर्स में इस मार्ग पर यात्रा करने वाले वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। सुबह 8 :00 बजे से 11 :00 बजे तक और शाम 5 :00 बजे से 9 :00 बजे तक इस सड़क पर यात्रा करने से बचना चाहिए। बैरिकेडिंग लगाए जाने के कारण यातायात की गति प्रभावित होगी। ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्ग का सुझाव दिया है। कमल टी-पॉइंट की ओर जाने वाले वाहन चालक देशबंधु गुप्ता रोड का उपयोग कर सकते हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि वे अपनी यात्रा पहले से प्लान करें ताकि अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके। यह मार्ग दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कई महत्वपूर्ण इलाकों को जोड़ता है। यहां से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। काम के दौरान सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग लगाई गई है, लेकिन फिर भी जाम और देरी की संभावना बनी रहेगी।

दिल्ली: द्वारका सेक्टर 5 मार्ग पर जानलेवा गड्ढे, जलभराव से बढ़ा हादसे का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजपुरी से जनकपुरी होते हुए द्वारका को जोड़ने वाला रोड नंबर-201 (सेक्टर-5 मार्ग) इन दिनों बदहाल स्थिति के कारण राहगीरों के लिए जानलेवा बन गया है। ड्रेन पुल की चढ़ाई पर स्थित मधु विहार बस स्टैंड के पास सड़क का करीब 20 मीटर हिस्सा पूरी तरह ध्वस्त होकर गहरे गड्ढों में तब्दील हो गया है और तेजी से इस में बढोतरी हो रही है। इन गड्ढों में अब पानी भर गया है, यह पानी वहां से गुजरने वाले जलबोर्ड के पानी टैंकरों से छलक कर सड़क पर गिर जाते हैं और गड्ढों में भर जाते हैं।

इसके कारण वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे यहां लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। नतीजतन, यहां दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

यह मार्ग दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के प्रमुख इलाकों को जोड़ने वाली अहम कड़ी है। इसी रास्ते से बड़ी संख्या में वाहन इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, गुरुग्राम, नई दिल्ली, डाबड़ी और जनकपुरी की ओर आवागमन करते हैं। निजी वाहनों के अलावा भारी व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही भी यहां अधिक रहती है।

सड़क की खराब स्थिति का असर सेक्टर-5 स्थित बाजार और आसपास के व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर भी पड़ रहा है। क्षेत्रीय निवासियों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा। सड़क की बदहाली को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है, उनका कहना है कि जब तक सड़क की यह जर्जर स्थिति किसी बड़े हादसे कारण नहीं बनता नगर निकायका ध्यान इस पर नहीं जाएगा।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभागों की उदासीनता के चलते समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। यदि जल्द मरम्मत कार्य नहीं कराया गया तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल क्षेत्र की जनता प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग कर रही है। सड़क पर बने गहरे गड्ढे और उनमें भरा पानी किसी बड़े हादसे का संकेत दे रहे हैं, लेकिन प्रशासन अब भी अनदेखी कर रहा है। एयरपोर्ट और गुरुग्राम जाने वालों के लिए यह मुख्य मार्ग है, मगर टूटी सड़क के कारण रोज घंटों जाम और परेशानी झेलनी पड़ती है। जल बोर्ड के टैंकरों और कीचड़ से सड़क पूरी तरह घिरी हुई है, यहां पैदल चलना भी बेहद जोखिम भरा और मुश्किल हो गया है। डाबड़ी और जनकपुरी को जोड़ने वाला यह व्यस्त मार्ग भारी वाहनों के दबाव से लगातार धंसता जा रहा है, जो भविष्य के लिए चिंताजनक है।

कई दिनों की बारिश के बाद दिल्ली में गर्मी का एहसास शुरू, आईएमडी ने बताया आने वाले दिनों में कैसा रहेगा मौसम?

नई दिल्ली, एजेंसी। कई दिनों की वर्षा और सामान्य से कम तापमान के बाद गुरुवार को दिल्ली में फिर से तापमान बढ़ना

शुरू हो गया। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। तेज सतही हवाओं के पूर्वानुमान के चलते अगले कुछ दिनों में इसमें और वृद्धि होने की संभावना है। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान लगाया है। आसमान साफ रहेगा। साथ ही दिन के समय तेज सतही हवाएं चलने की भी संभावना है। गुरुवार को शहर का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.3 डिग्री कम 30.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले बुधवार को यह 28.2 डिग्री रहा था। यानी इसमें करीब ढाई डिग्री की वृद्धि देखी गई। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.7 डिग्री कम 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 94 से 32 प्रतिशत रहा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अब तापमान में लगातार वृद्धि होने की संभावना है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया, 'देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में, पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अधिकतम तापमान में छह से आठ डिग्री सेल्सियस और उत्तर-पश्चिमी भारत के उत्तरी मैदानी इलाकों में आठ से 10 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की उम्मीद है। शुक्रवार से आसमान भी साफ रहने की संभावना है। उधर शहर की वायु गुणवत्ता ' 'मध्यम' ' श्रेणी में रही, एक्यूआइ 101 दर्ज किया गया।

पुरुष गर्भनिरोधक में 'महा-क्रांति', पुरुषों के लिए सुरक्षित और अस्थायी गर्भनिरोधक विधि खोजी गई

नई दिल्ली, एजेंसी। *दशकों से परिवार नियोजन का सारा बोझ महिलाओं के कंधों पर रहा है। गर्भनिरोधक गोलियों से लेकर अन्य दर्दनाक प्रक्रियाओं तक, जिम्मेदारी का यह पलड़ा हमेशा एक तरफ झुका रहा। विज्ञान एक ऐसे 'मृगतृष्णा' के पीछे था जो पुरुषों के लिए एक सुरक्षित, प्रभावी और अस्थायी गर्भनिरोधक प्रदान कर सके। अब विज्ञान के गलियारों से एक ऐसी खबर आई है, जो भविष्य की तस्वीर बदल सकती है। कार्नेल यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों ने प्रजनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में उस 'होली ग्रेल' यानी अमृत को खोज निकालने का दावा किया है, जो पुरुष गर्भनिरोधक की परिभाषा बदल सकता है। उन्होंने एक ऐसी तकनीक खोज निकाली है, जिससे पुरुषों के लिए 'रिवर्सिबल' (प्रतिवर्ती) गर्भनिरोधक गोली का सपना अब हकीकत के करीब है। यह खोज न केवल विज्ञान की जीत है, बल्कि उन करोड़ों जोड़ों के लिए एक नई उम्मीद है जो परिवार नियोजन की जिम्मेदारी को समान रूप से साझा करना चाहते हैं। शुक्राणुओं के निर्माण पर अस्थायी 'ब्रेक' मीडिया रिपो ?र्ट्स के अनुसार, इस क्रांतिकारी शोध में विज्ञानियों ने जेक्यू1 नामक एक छोटे अणु का उपयोग किया। चूहों पर किए गए छह साल के लंबे परीक्षण के बाद यह पाया गया कि यह यौगिक 'मयोसिस' की प्रक्रिया को बाधित कर देता है। मयोसिस वह कोशिका विभाजन है जिसके माध्यम से शरीर में शुक्राणुओं का निर्माण होता है। विज्ञानियों ने पाया कि जब चूहों को तीन सप्ताह तक जेक्यू1 दिया गया, तो उनके शरीर में शुक्राणुओं का उत्पादन पूरी तरह रुक गया।*

क्या दिल्ली में आपका घर भी अनधिकृत कॉलोनी में है? 10 लाख घरों का मिलेगा मालिकाना हक, करना होगा आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लंबे समय से अनधिकृत कॉलोनियों में रह रहे लाखों परिवारों को बड़ी राहत मिलने की तैयारी है। दिल्ली सरकार का राजस्व विभाग करीब 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों में बसे 10 लाख से अधिक घरों को नियमित (रेगुलराइज) करने के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार कर रहा है। इस योजना में प्रशासनिक सुधार, डिजिटल पोर्टल का एकीकरण और कड़ी निगरानी जैसे कदम शामिल किए गए हैं, ताकि आगे नई अवैध कॉलोनियां न बन सकें।

सरकारी अधिकारियों के अनुसार, योजना के क्रियान्वयन के लिए दिल्ली के सभी 13 जिलों में अलग-अलग टीमें बनाई जाएंगी। हर टीम का नेतृत्व अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (ष्ठरू) करेंगे और टीम में कुल छह सदस्य होंगे। ये टीमें जमीनी स्तर पर पूरी प्रक्रिया को लागू करेंगी और निगरानी भी करेंगी।

राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति ऑथराइजेशन स्लिप या कन्वेयंस डीड के लिए आवेदन करता है तो पूरी प्रक्रिया 45 दिनों के भीतर पूरी करनी होगी। इसी समय सीमा के अंदर दस्तावेज भी जारी कर दिए जाएंगे। इस योजना के तहत 1 जून 2014 से पहले जिन लोगों के पास इन

कॉलोनियों में संपत्ति थी, वही नियमितीकरण के लिए आवेदन कर सकेंगे। अनुमान है कि इन कॉलोनियों में रहने वाले करीब 10 लाख परिवार इस प्रक्रिया के पात्र होंगे। सरकार का मानना है कि नियमितीकरण के बाद इन संपत्तियों की खरीद-फरोख्त, बैंक लोन और रजिस्ट्री जैसी प्रक्रियाएं आसान हो जाएंगी, जिससे वर्षों से चल रही अनिश्चितता खत्म होगी।

मालेगांव ब्लास्ट में बरी हुए कर्नल श्रीकांत पुरोहित को ब्रिगेडियर पद का मिला प्रमोशन

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के चर्चित मालेगांव ब्लास्ट 2008 केस में पहले फंसे फिर बरी हुए कर्नल श्रीकांत पुरोहित को प्रमोशन मिल गया है। भारतीय सेना ने उन्हें ब्रिगेडियर पद पर पदोन्नति के लिए मंजूरी दे दी है। इस बात की जानकारी न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से दी है। सशस्त्र बल न्यायाधिकरण ने कर्नल पुरोहित की पदोन्नति की याचिका पर सुनवाई के बाद, 31 मार्च 2026 को होने वाली उनकी सेवानिवृत्ति पर रोक लगा दी थी। कर्नल पुरोहित ने ट्रिब्यूनल से कर्नल और ब्रिगेडियर के पद पर प्रमोशन की मांग की थी। उन्होंने दलील दी थी कि मालेगांव धमाका मामले में उनकी गिरफ्तारी और लंबे समय तक चले मुकदमे के कारण उनके करियर की प्रगति रुक गई थी। उन्हें 2008 में गिरफ्तार किया गया था और वे 2017 तक हिरासत में रहे, जब सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दी। इसके बाद उन्होंने अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी और तब से वे सेवा में हैं। एक आदेश में जस्टिस राजेंद्र मेनन की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह टिप्पणी की कि संबंधित अधिकारी ने प्रथम दृष्टया यह मामला बनाया है कि पदोन्नति और सेवा-लाभों के मामले में उसके साथ उसके कनिष्ठों के समान ही व्यवहार किया जाना चाहिए।

स्वदेशी मिसाइलों से लैस होंगे 114 राफेल लड़ाकू विमान, रक्षा मंत्रालय ने बनाया प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत जिन 114 राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने का प्लान बना रहा है, उनको लेकर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइलों और हथियार प्रणालियों को इनमें एकीकृत किया जा सके। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि खरीदो और बनाओ सौदे के तहत होने वाली सरकार-से सरकार डील में तथाकथित इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट को अनिवार्य किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय से उम्मीद है कि वह अगले महीने फ्रांसीसी जेट निर्माता कंपनी डसॉल्ट को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी करेगा और उसके बाद अनुबंध पर बातचीत शुरू होगी। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 12 फरवरी को इस सौदे को मंजूरी दे दी थी। मामले के जानकार लोगों ने कहा कि योजना यह है कि 3.25 लाख करोड़ रुपये की इस मेगा डील के फाइनल कॉन्ट्रैक्ट में आईसीडी को पक्का कर दिया जाए। आईसीडी एक बहुत ही जरूरी सिस्टम इंजीनियरिंग डॉक्यूमेंट है, जो किसी सिस्टम और उसके सब-सिस्टम के बीच के सभी अहम प्रोटोकॉल को कंट्रोल और डिफाइन करता है। डीएसी द्वारा मंजूर किए गए प्रस्ताव के मुताबिक, 18 फाइटर जेट फ्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन में डिलीवर किए जाएंगे, जबकि बाकी 96 भारत में ही बनाए जाएंगे, जिनमें 25% से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल होगा।

डील में रुकावट: इस तरह की रिपोर्टों के बीच कि इस मेगा डील में एक रुकावट आ गई है, क्योंकि फ्रांसीसी राफेल निर्माता डसॉल्ट ने भारत को लड़ाकू विमान का सोर्स कोड देने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कोई भी देश ये मालिकाना सॉफ्टवेयर कोड (जो रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट और हथियार एकीकरण को नियंत्रित करते हैं) किसी तीसरे देश को नहीं देता है और यह डील पूरी तरह से सही रास्ते पर है। ये सोर्स कोड असल में पूरे लड़ाकू विमान को नियंत्रित करते हैं, जिसमें एवियोनिक्स, टारगेट ट्रैकिंग, फ्लाइट कंट्रोल, हथियार लॉन्च और हथियार छोड़ने के एल्गोरिदम शामिल हैं। अधिकारियों ने आगे बताया कि यह कोड मूल उपकरण निर्माता की बौद्धिक संपदा है, जिसे सबसे करीबी सहयोगियों के साथ भी साझा नहीं किया जाता है।

हालांकि भारत के लंबे समय से रणनीतिक सहयोगी रहे रूस ने भारतीय वायु सेना को पांचवीं पीढ़ी के स्क्वाड्रन देने की पेशकश की है और वह सरकारी कंपनी के साथ मिलकर लड़ाकू विमानों के बेड़े को अपग्रेड करने में भी शामिल है, लेकिन मिली जानकारी के अनुसार, उसने इन दोनों में से किसी भी लड़ाकू विमान का 'सोर्स कोड' न तो कभी साझा किया है और न ही साझा करने की पेशकश की है। भले ही भारत ने अमेरिका या रूस, किसी से भी पांचवीं पीढ़ी के विमान खरीदने का कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन वह भविष्य के लिए स्वदेशी रूप से 'तेजस मार्क ढ्ढ' के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके साथ ही, वह लंबी दूरी की मिसाइलों और दो इंजन वाले ख्रष्ट पर भी काम कर रहा है, ताकि विदेशी हवाई प्लेटफॉर्म, 'बियॉन्ड विजुअल रेंज' हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों पर अपनी निर्भरता कम कर सके।

ट्रैफिक चालान ने खोल दी चोर की पोल, हैदराबाद में सोशल मीडिया की मदद से 3 महीने बाद मिली चोरी की स्कूटी

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद में ट्रैफिक चालान के कारण तीन महीने पहले चोरी हुई, एक दोपहिया वाहन को बरामद करने का मामला सामने आया है। दरअसल, यह तब हुआ जब वाहन के मालिक को एक ट्रैफिक चालान मिला, जिसमें चोर की फोटो थी। इसके बाद गाड़ी मालिक फैसल रहमान ने 7 अप्रैल को ङ्ग पर पोस्ट किया कि, उसे अपने स्कूटी के लिए एक चालान मिला है; जो कि लगभग तीन महीने पहले चोरी हो गई थी। चालान में छपी फोटो से मिला सुराग फैसल ने चोर की एक तस्वीर भी शेयर की, जो कि चालान पर छपी थी। तस्वीर में, वह आदमी बिना हेलमेट पहने वाहन चलाते हुए दिख रहा था। रहमान ने आगे बताया कि, पुलिस स्टेशन में पहले ही एक मामला दर्ज किया जा चुका है। इसके बाद उसने हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस और हैदराबाद सिटी पुलिस को टैग कर दिया और देखते ही देखते पोस्ट वायरल हो गई। जानकारी के अनुसार चोरी हुई स्कूटी की रिपोर्ट सबसे पहले 24 जनवरी को दर्ज की गई थी। वहीं, गाड़ी का चालान 1 मार्च को जारी किया गया था, लेकिन फैसल को इस हफ्ते ही इसके बारे में पता चला। पुलिस ने बताया कि इस

मामले की जांच पहले से ही चल रही थी, और उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि सोशल मीडिया पोस्ट से संदिग्ध को सतर्कता मिल सकती है, जिससे उसे ढूंढ़ना और भी मुश्किल हो सकता है। हबीब नगर के स्टेशन हाउस ऑफिसर टी. पुरुषोत्तम राव ने बताया कि फैसल ने उन्हें चालान के बारे में सीधे तौर पर जानकारी नहीं दी, बल्कि इसे ऑनलाइन पोस्ट कर दिया। पोस्ट सामने आने के बाद, फुटेज की जांच करने और वाहन का पता लगाने के लिए विशेष टीमें भेजी गईं। गुरुवार को यह खोज तब पूरी हुई, जब पुलिस ने स्कूटी को ढूंढ़ निकाला और उसे चला रहे व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। स्कूटी को बरामद करने के बाद हबीब नगर पुलिस स्टेशन लाया गया।

संक्षिप्त समाचार

भैंसदेही में पानी प्लांटों का निरीक्षण, 6 नमूने जांच के लिए भेजे

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर एसडीएम श्री अजीत मरावी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा बुधवार को भैंसदेही क्षेत्र में पानी प्लांटों पर सघन जांच एवं कार्रवाई की गई। इस दौरान नगर परिषद अधिकारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी पीएचई विभाग श्री निखिल जैन एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने पानी केन का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूने एकत्रित किए। जांच अभियान के तहत 8 अप्रैल को टीम द्वारा साईं एक्वा आरओ, नगर परिषद भैंसदेही पानी प्लांट एवं दादाजी आरओ पानी प्लांट सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 6 पानी के नमूने लिए गए। सभी सैंपल जिला प्रयोगशाला बैतूल भेजे जा रहे हैं, जहां जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद द्वारा संबंधित संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा टीम ने बर्फ निर्माण करने वाले आईवी एक्वा प्लांट का भी निरीक्षण कर गुणवत्ता एवं स्वच्छता मानकों की जांच की। वहीं खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सीएम राइज स्कूल भैंसदेही में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर स्कूली बच्चों को खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान एवं उससे होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

हौसले बुलंद पवारखेड़ा-मालाखेड़ी में आबकारी नियमों की धज्जियां, प्रशासन के नाक के नीचे सज रहे अवैध अहाते!

नर्मदापुरम । जिले के पवारखेड़ा और मालाखेड़ी क्षेत्र में इन दिनों शराब ठेकेदारों की दबंगई और नियमों का उल्लंघन चरम पर है। प्रदेश सरकार की नई आबकारी नीति, जिसमें दुकानों से लगे अहातों को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया था, उसे यहाँ ठेकेदार खुलेआम चुनौती दे रहे हैं।

चखना दुकान की आड़ में अवैध होटल का खेल- पवारखेड़ा और मालाखेड़ी की शराब दुकानों के ठीक बगल में न केवल चखना दुकान संचालित की जा रही है, बल्कि अब वहां आलीशान होटलों का निर्माण भी युद्ध स्तर पर जारी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ये होटल केवल भोजन के लिए नहीं, बल्कि शराबियों को ÷हर प्रकार की सुविधा÷ उपलब्ध कराने के लिए बनाए जा रहे हैं। बिना किसी वैध अनुमति और नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे ये निर्माण सीधे तौर पर आबकारी अधिनियम का उल्लंघन हैं।

पवारखेड़ा-मालाखेड़ी मार्ग पर मंडराता खतरा-इन क्षेत्रों में शराब दुकानों के पास अवैध रूप से बैठने और चखना बेचने की व्यवस्था होने से असामाजिक तत्वों का डेरा बढ़ने लगा है।

* नियमों का मखौल- सुप्रीम कोर्ट और राज्य सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि रिहायशी इलाकों और हाईवे के पास नियमों का कड़ाई से पालन हो।

* सरकारी चुप्पी- आखिर पवारखेड़ा और मालाखेड़ी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हो रहे इस अवैध निर्माण पर प्रशासन ने आँखें क्यों मूँद रखी हैं? क्या अधिकारियों को ठेकेदार के इस फायदे वाले मॉडल में अपनी भी हिस्सेदारी दिख रही है?

जनता का सवाल- आखिर कब जागेगा प्रशासन?-शराब दुकान के पास निर्माणाधीन ये होटल और चखना केंद्र भविष्य में अपराध के गढ़ बन सकते हैं। मालाखेड़ी और पवारखेड़ा के रहवासियों में इस बात को लेकर गहरा रोष है कि आखिर क्यों जिला प्रशासन और आबकारी विभाग ठेकेदार के सामने नतमस्तक है?

बड़ा सवाल-क्या जिला प्रशासन इन अवैध होटलों पर कार्रवाई का साहस दिखाएगा, या फिर पवारखेड़ा और मालाखेड़ी की जनता को इसी तरह नियमों की बलि चढ़ते देखना होगा?

में किया निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का शुभारंभ

सीहोर (निप्र)। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने इछावर सिविल हॉस्पिटल में मानसरोवर मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आमजन को शिविर का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य ही मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को सुलभ एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। शिविर में महिला रोग, हड्डी रोग, शिशु रोग, नेत्र, ईएनटी सहित विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों का परीक्षण किया गया एवं परामर्श दिया गया। शिविर में कुल 384 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही ईसीजी, ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच भी की गई। इस अवसर पर एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा, सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया, मानसरोवर ग्रुप के प्रो-चांसलर ईआर. गौरव तिवारी सहित जनप्रतिनिधि, एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कमिश्नर ने ओलावृष्टि से प्रभावित ग्रामों का लिया जायजा

प्रभावित किसानों के खेतों का सर्वे कर हर संभव सहायता राशि दी जाएगी : कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी बनखेड़ी तहसील के ओलावृष्टि से प्रभावित ग्राम डंगरहाई एवं धडाव पडाव पहुंचकर फसल नुकसान एवं मकान क्षति का जायजा लिया, इस दौरान उन्होंने प्रभावित किसानों से आमने-सामने चर्चा कर उन्हें भरोसा दिलाया कि सभी प्रभावित किसानों के खेतों का सर्वे कर शासन से हर संभव सहायता राशि दिलाई जाएगी। इस दौरान उन्होंने ग्राम डंगरहाई एवं धडाव पड़ाव में तरबूज एवं खरबूज की फसल नुकसान का भी जायजा लिया और शासन के निर्देश अनुसार सर्वे कर नुकसान की भरपाई कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान एसडीएम पिपरिया श्री आकिप खान, तहसीलदार श्रीमती अंजू सिंह लोधी, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रीना कुमारिया सहित तहसील एवं जनपद पंचायत से संबंधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

कमिश्नर श्री तिवारी ने ग्राम डंगर हाई एवं धडाव पडाव में खेतों में पहुंचकर गेहूं की फसल एवं तरबूज एवं खरबूज की फसल मैं हुए वास्तविक नुकसान का आकलन किया। उन्होंने सभी किसानों से आमने-सामने चर्चा कर उनकी अब तक हुई फसल नुकसान की जानकारी प्राप्त की। कमिश्नर ने बताया कि सर्व दल का गठन किया गया है जो सूक्ष्मता से सर्वे का कार्य कर रहा है। सर्वे का कार्य जैसे ही पूर्ण होगा। प्रभावित किसानों को उनके रकबे के अनुसार शासन द्वारा निर्धारित राहत राशि प्रदान की जाएगी। मौके पर मौजूद पटवारी ने अवगत कराया की डंगर हाई में 648 हेक्टेयर खेती की जमीन है। जिनमें से 46 हेकटेयर की खेती ओलावृष्टि से प्रभावित हुई है। ओला वृष्टि से गेहूं एवं तरबूज एवं खरबूज की फसलों को नुकसान है। गेहूं में दाने झड़ गए हैं। इसके साथ

ही समीप के ग्राम विजन हाई और झिरिया में भी ओला वृष्टि से फसलों को नुकसान पहुंचा हुआ है। कमिश्नर ने कहा कि खेत की श्रेणी के अनुसार सीमांत लघु एवं मध्य श्रेणी के अनुसार मुआवजा का प्रकरण तैयार किया जाएगा और उसी के अनुसार राहत राशि दी जाएगी। कमिश्नर ने मौके पर ही मौजूद मनजीत सिंह के खेत पर पहुंचकर गेहूं की फसल में हुई नुकसानी का जायजा लिया। किसान मनजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने कोली पर खेत लिया था। कमिश्नर ने कहा कि कोली नामा लेकर नुकसान का मुआवजा दिया जाएगा। 20 मिनट ओले गिरने से व्यापक पैमाने पर फसल क्षति हुई है।। कमिश्नर ने डंगर हाई में ही तरबूज की खेती पर हुए नुकसान का भी आकलन किया। उन्होंने जसमेर सिंह के खेत पर पहुंचकर तरबूज की फसल नुकसान की स्थिति देखी। तहसीलदार ने बताया कि कृषि और उद्यानिकी विभाग के द्वारा भी सर्वे कराया जा रहा है। नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाएगा। कमिश्नर ने इस दौरान किसान हक्कू कुमरे के खेत में पहुंचकर गेहूं नुकसान का जायजा लिया और पटवारी को सर्वे के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

तत्पश्चात कमिश्नर श्री तिवारी किसान श्री कमलेश अहिरवार के घर पहुंचे। आंधी तूफान आने से कमलेश अहिरवार के मकान के खपरेल उड़ गए थे गाय बांधने के गोठान की छत भी बारिश और आंधी तूफान में उड़ गई थी। उन्होंने यहां पर मकान क्षति का आकलन किया। मौके पर उन्होंने ग्राम में पुरानी नल जल योजना का निरीक्षण किया। सहायक रोजगार सचिव को निर्देश दिए कि ग्राम की समस्याओं पर फीडबैक लेकर प्रति माह बैठक लेकर समस्याओं का निराकरण करें। बताया गया कि भारी बारिश एवं तूफान से ग्राम के 70 से 80 विद्युत पोल गिर गए थे जिनके कारण 4 से 5 दिन बिजली आपूर्ति नहीं रही। विद्युत विभाग द्वारा अब खंबे खड़े किए जा रहे हैं। एक-दो दिन में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। कमिश्नर ने धडाव पड़ाव में श्री बृजेश ठाकुर के मकान में हुई क्षति का अवलोकन किया। बृजेश ठाकुर ने बताया कि भारी बारिश एवं तूफान आने के कारण उनके घर की 40 से 50 टीन की छत उड़ गई। उन्होंने बताया कि उन्हें लगभग 50 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। बताया गया कि पटवारी द्वारा सर्वे कर लिया गया है और आगामी माह में सहायता राशि प्रदान कर दी जाएगी। इस दौरान बताया गया कि ग्राम में पशु हानी भी हुई है। कमिश्नर ने पटवारी को निर्देश दिए कि वह पशु हानी का भी प्रतिवेदन तैयार कर संबंधित पशु मालिक को राहत राशि देना सुनिश्चित करें।

ग्राम डंगरहाई में लगाई चौपाल

कमिश्नर श्री तिवारी ने ग्राम डंगर हाई के पंचायत भवन में ग्राम चौपाल भी लगाया। ग्राम चौपाल में ग्रामीणों से आमने-सामने चर्चा कर उनकी समस्याओं को जाना और संबंधित अधिकारियों को समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने ग्रामीणों को समझाइश दी कि वे अपनी 14 वर्ष तक की बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए एचपीवी वैक्सीन अनिवार्य रूप से लगाए। इसके लिए उन्होंने मौके पर मौजूद एएनएम को निर्देश दिए की बच्चियों को एचपीवी का वैक्सीन लगाना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि ग्रामीण जन विभिन्न सोशल मीडिया साइटों पर चल रही अफवाह पर ध्यान ना दे। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम में आंगनबाड़ी भवन न होने के कारण आंगनबाड़ी पंचायत भवन में लग रही है। ग्रामीण अपना इलाज कराने 6 किलोमीटर दूर साली चौका जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम में मिडिल स्कूल तक की पढ़ाई होती है मिडिल स्कूल में पदस्थ शिक्षक पढ़ाने में कोई रुचि नहीं रखते हैं जिससे बच्चों को लिखना पढ़ना भी नहीं आता है। कमिश्नर ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर समस्याओं का उचित समाधान करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने ग्राम में नल जल योजना के संबंध में आवश्यक जानकारी ली और मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिए कि वह सभी ग्राम पंचायतो से नल जल योजना का फीडबैक लेकर जहां नल जल योजनाएं पूर्ण हो चुकी है वहां ट्रायल कर ग्राम पंचायत को नल जल योजना हैंडोवर करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सीईओ आंगनवाड़ी भवन बनाने का प्रस्ताव शासन को प्रेषित करें। ग्रामीणों ने कमिश्नर से मांग की शमशान घाट पर शेड की आवश्यकता है साथ ही उन्होंने बताया कि डंगर हाई से मेहराघाट तक का 2 किलोमीटर की सड़क तथा डंगर हाई से बंजारी तक की 1 किलोमीटर तक की सड़क अत्यंत खराब है सड़क की मरम्मत की जाए। कमिश्नर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी को श्मशान घाट पर शेड लगाने एवं सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम के सभी किसान जागरुक है। इस वर्ष नरवाई जलाने की कोई भी घटना ग्राम में घटित नहीं हुई। अभी किसान नरवाई से भूसा बना रहे हैं। इस दौरान ग्राम की सरपंच श्रीमती शांति बाई मेहर ने भी ग्राम की समस्याओं से कमिश्नर श्री तिवारी को अवगत कराया।

जनपद एवं तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया

कमिश्नर श्री तिवारी ने अपने प्रशासनिक अमले के साथ जनपद पंचायत कार्यालय एवं तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ई-ऑफिस सिस्टम के तहत किए जा रहे हैं सभी शासकीय पत्राचार एवं प्रतिवेदनों का निरीक्षण किया और उसमें आवश्यक सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिए की वह अपनी सरकारी आईडी बनाएं अपने पर्सनल आईडी से कोई भी पत्राचार ना करें। उन्होने कर्मचारियों की ई-ऑफिस प्रणाली से किए जा रहे उनकी दक्षता के कार्य को परखा।

सीपीआर प्रशिक्षण ने बचाई जानः

टीआई यातायात की सराहनीय पहल

नर्मदापुरम । अक्सर पुलिस की छवि सख्त अनुशासन वाली होती है, लेकिन नर्मदापुरम की यातायात पुलिस ने मानवीय संवेदनाओं और दूरदर्शिता से एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने एक परिवार की खुशियां उज?ने से बचा लीं।

क्या थी घटना?-हनुमान जयंती के अवसर पर जगदीश मंदिर के पास भजन संध्या चल रही थी। भजन मंडली के वरिष्ठ सदस्य अम्बाप्रसाद कुशवाहा भजन गा रहे थे, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे बेहोश होकर फर्श पर गिर पड़े। उन्हें दिल का दौरा (हार्ट अटैक) प?ा था और उनकी सांसें थमने लगी थीं।

देवदूत बनकर आए प्रमोद- वहां मौजूद खाद बीज विक्रेता प्रमोद कुमार दुबे ने बिना समय गंवाए स्थिति को संभाला। उन्होंने तुरंत अम्बाप्रसाद जी को सीपीआर (ष्टक्कक्र) देना शुरू

किया। लगभग 10 मिनट की क?ी मशक्कत के बाद अम्बाप्रसाद जी की सांसें वापस आईं और उनकी स्थिति सामान्य हुई। बाद में डॉक्टरों ने भी पुष्टि की कि यदि समय पर सीपीआर न मिलता, तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी।

पुलिस की ट्रेनिंग का कमाल-प्रमोद दुबे ने बताया कि उन्होंने यह जीवनरक्षक तकनीक (ष्टक्कक्र) करीब एक माह पूर्व बस स्टैंड पर आयोजित यातायात पुलिस के प्रशिक्षण शिविर में सीखी थी। यातायात थाना प्रभारी सुनीता पटेल और उनकी टीम द्वारा आम नागरिकों, छात्रों और व्यापारियों को दी गई यह ट्रेनिंग आज एक व्यक्ति के लिए वरदान साबित हुई।

क्या होता है ष्टक्कक्रऔर क्यों है जरूरी?-सीपीआर (Cardiopulmonary Resuscitation) एक आपातकालीन प्रक्रिया है, जिसका उपयोग तब किया जाता है जब किसी व्यक्ति का दिल धड़कना बंद कर देता है या सांस रुक जाती है।

चेस्ट कंप्रेशन- इसमें पीड़ित के सीने पर बीच में हथेली रखकर दबाव डाला जाता है ताकि हृदय से रक्त का संचार शरीर के अन्य हिस्सों, विशेषकर मस्तिष्क तक होता रहे।

आर्टिफिशियल वेंटिलेशन- यदि संभव हो, तो फेफड़ों में हवा पहुँचाने के लिए कृत्रिम सांस दी जाती है।

महत्व- यह चिकित्सा सहायता (एम्बुलेंस या डॉक्टर) मिलने तक व्यक्ति के अंगों को जीवित रखने में मदद करता है।

ग्राम कलखेड़ा में बाबा साहेब की संयुक्त जयंती पर भव्य आयोजन

भोपाल । 6 साल से लगातार इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम से बडे, हर्षोल्लास के साथ एवं विशाल बहन रैली का भव्य आयोजन एवम मध्य प्रदेश भोपाल नीलबड़ कलखेड़ा में पहली बार त्रिशला बौद्ध एवं निशान सिंह द्वारा बाबा साहब अंबेडकर के गीतों की प्रस्तुति से डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 16 अप्रैल 2026, गुरुवार को ग्राम कलखेड़ा में भव्य संयुक्त जयंती उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर ÷शिक्षित करो, संगठित करो, संघर्ष करो÷ के संदेश के साथ क्षेत्र में पहली बार विशाल चल समारोह और वाहन रैली निकाली जाएगी।

कार्यक्रम के आयोजक एवं बी.आर. अंबेडकर जनकल्याण समिति कलखेड़ा के अध्यक्ष रवि खरे इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। उनके नेतृत्व में पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

सुबह 9 बजे से शुरू होने वाली वाहन रैली भानपुर केकाडिया से प्रारंभ होकर सिंकदराबाद, मुंगलिया, बरखेड़ा नाथू, सूरज नगर और नीलबड़ होते हुए ग्राम कलखेड़ा पहुंचेगी। रैली के माध्यम से बाबा साहेब के विचारों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

शाम 5 बजे से कलखेड़ा में

विशाल जनसभा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों और बुजुर्गों का सम्मान किया जाएगा, साथ ही सभी के लिए भोजन की भी व्यवस्था रहेगी। इस आयोजन की खास बात यह है कि पहली बार उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से राष्ट्रीय मिशनरी सिंगर त्रिशला बौद्ध और निशांत सिंह अपने ग्रुप के साथ पहुंचकर डॉ. भीमराव अंबेडकर से जुड़े गीतों की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा नवनीत जाटव भी सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। आयोजक रवि खरे ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज में जागरूकता और एकता का संदेश देगा तथा बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

ग्राम पीकलोंन में राजस्व न्यायालय की शुरुआत, वृत पीकलोंन के प्रकरणों की सुनवाई प्रारंभ

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा कुरवाई भ्रमण के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुपालन में प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम स्तर पर न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। इसी क्रम में कुरवाई अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) श्री मनीष जैन के आदेशानुसार 8 अप्रैल से वृत पीकलोंन के प्रकरणों की सुनवाई के लिए ग्राम पीकलोंन में न्यायालय का आयोजन प्रारंभ कर दिया गया है। ग्राम में ही न्यायालय लगने से स्थानीय नागरिकों को अब अपने प्रकरणों के निराकरण के लिए दूरस्थ स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। इस पहल से ग्रामीणों को त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सकेगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन को राहत प्रदान की जाए। ग्राम स्तर पर न्यायालय आयोजित करने से प्रकरणों के निपटारे में गति आएगी और लोगों की समस्याओं का समाधान उनके नजदीक ही हो सकेगा। जिला प्रशासन द्वारा इस व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग की जाएगी, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और प्रभावशीलता बनी रहे।

कलेक्टर के निर्देश पर खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रशासन की सख्त कार्यवाही

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन एवं भंडारण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में भोपाल तिराहा के समीप श्री कुंज मैरिज गार्डन के सामने किए जा रहे मिट्टी के भंडारण की शिकायत प्राप्त होने पर मामले की संयुक्त जांच तहसीलदार श्रीमती सरिता मालवीय, नायब तहसीलदार नर्मदापुरम एवं खनि निरीक्षक पिंकी चौहान द्वारा की गई। जांच के दौरान ग्राम खोजनपुर, तहसील नर्मदापुरम स्थित उक्त स्थल पर मिट्टी का अवैध भंडारण पाया गया। राजस्व अभिलेखों के अनुसार यह भूमि रमेश पिता श्री जगना यादव, निवासी ग्वालटोली काली मंदिर के पास, नर्मदापुरम के नाम दर्ज है। जांच के दौरान पूछताछ में सामने आया कि उक्त भूमि पर मिट्टी का अवैध भंडारण इमरतलाल उर्फ मुन्ना ग्वाला द्वारा डम्परों के माध्यम से किया गया है। टीम द्वारा मौके पर भंडारित मिट्टी का मापन टेप से किया गया, जिसमें कुल 798.6 घनमीटर मिट्टी का अवैध भंडारण पाया गया। कार्रवाई करते हुए राजस्व एवं खनिज विभाग की टीम ने उक्त मिट्टी को जप्त कर ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में सुरक्षार्थ रखा है। प्रशासन द्वारा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया जा रहा है।

अपर कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने आज जिले में संचालित उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग उप संचालक श्री केसी खपेड़िया तथा उपयुक्त सहकारिता श्री ध्रुव कुमार झारिया भी साथ मौजूद रहे। अपर कलेक्टर ने सर्वप्रथम विपणन सहकारी समिति बासौदा द्वारा संचालित चना एवं मसूर उपार्जन केंद्र जीवाजीपुर (बासौदा) का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने तौल व्यवस्था, किसानों के पंजीयन, उपज के भंडारण तथा भुगतान प्रक्रिया की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। इसके पश्चात मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक

कॉर्पोरेशन, पठारी रोड स्थित केंद्रों का निरीक्षण किया गया, जहां बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित ककरावदा एवं उदयपुर द्वारा संचालित गेहूं उपार्जन केंद्रों का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्रों पर किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं, पेयजल, छाया एवं अन्य सुविधाओं की स्थिति का भी जायजा लिया गया। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जन कार्य पूरी पारदर्शिता एवं सुचारू रूप से संचालित किया जाए तथा किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने समय पर तौल, उचित भंडारण एवं शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। जिला प्रशासन द्वारा उपार्जन कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर मिल सके और पूरी प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से संचालित हो सके।

सफल संचालन हेतु आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। संभागीय संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी की अध्यक्षता में परियोजना इटारसी अंतर्गत समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए '8वां पोषण पखवाड़ा (09 से 23 अप्रैल 2026)' के सफल क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि इस वर्ष पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिनका उद्देश्य समुदाय में पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाना है। पोषण पखवाड़ा 2026 की प्रमुख थीम में माँ एवं शिशु पोषण, जीवन के प्रथम 1000 दिनों में मस्तिष्क विकास हेतु

प्रारंभिक प्रोत्साहन (0-3 वर्ष), प्रारंभिक वर्षों में खेल आधारित शिक्षा, बच्चों में स्क्रीन टाइम को कम करने में अभिभावकों एवं समुदाय की भूमिका तथा सशक्त आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना शामिल है। इस अवसर पर मिशन नींव (प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा) के अंतर्गत जिला समन्वयक श्री वीरेंद्र कीर द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

उन्होंने बच्चों के समग्र विकास के लिए खेल-आधारित शिक्षण, संज्ञानात्मक एवं भाषा विकास तथा सामाजिक-भावनात्मक कौशल को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों के संचालन पर विशेष मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि वे पखवाड़ा अवधि में जन-जागरूकता अभियान, घर-घर संपर्क, सामुदायिक कार्यक्रम, रैली एवं पोषण संबंधी गतिविधियों का आयोजन करें, जिससे अधिक से अधिक लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कुपोषण में कमी लाना, स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की पहुंच को सुदृढ़ करना तथा समुदाय में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन सुनिश्चित करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती दीप्ति शुक्ला, श्री सौरभ साहू (संभागीय कार्यालय), पर्यवेक्षक श्रीमती अर्चना बस्तवार, श्रीमती रेखा चौरे, पोषण अभियान ब्लॉक समन्वयक हिना खान सहित समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

संपादकीय

देशभर में बम धमकियों का सिलसिला, सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती

सरकार और प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा, क्योंकि यह केवल दहशत फैलाने का मामला नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी सवाल है। देश भर में शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों, सरकारी भवनों और अन्य सार्वजनिक स्थलों को बम से निशाना बनाने की झूठी धमकियों का बढ़ता सिलसिला सुरक्षा की लिहाज से चुनौती बन गया है। देश की राजधानी दिल्ली में 9 अप्रैल गुरुवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब दिल्ली विधानसभा, सचिवालय और कुछ स्कूलों को बम से उड़ाने वाला एक धमकी भरा ईमेल मिला। ई-मेल या फिर सोशल मीडिया के जरिए इस तरह की धमकियां दी जाती हैं, जिससे न केवल लोगों में दहशत फैलती है, बल्कि सुरक्षा एजेंसियों का कीमती समय और संसाधन भी बर्बाद होते हैं।बीते सोमवार को चंडीगढ़ के कई स्कूलों और सरकारी इमारतों को बम से उड़ाने की धमकियां ई-मेल पर दी गई, हालांकि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। संभवतः धमकी देने वालों का मकसद महज दहशत फैलाना ही रहा होगा। मगर सवाल है कि आखिर इस तरह की घटनाओं पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? क्या सुरक्षा एजेंसियां धमकी देने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने में तकनीकी रूप से सक्षम नहीं हैं?ये प्रश्न इसलिए महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं, क्योंकि इस तरह के ज्यादातर मामलों में पुलिस या अन्य जांच एजेंसियां अपराधियों तक पहुंच ही नहीं पाती हैं। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में बम की झूठी धमकियां देने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं।मई, 2024 में दिल्ली-एनसीआर में एक ही दिन में करीब ढाई सौ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी से पुलिस के हाथ-पांव फूल गए थे। हालांकि, इस तरह की तमाम धमकियां झूठी साबित हुईं, लेकिन इससे जहां दहशत का माहौल पैदा हो जाता है, वहीं जांच एजेंसियों के सामने कई चुनौतियां पैदा हो जाती हैं।ऐसे मामलों में अब तक की जांच में सामने आया है कि धमकी भरे ज्यादातर ई-मेल वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिए विदेशी आईपी पते से भेजे जाते हैं। मगर आज डिजिटल तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है कि इसके जरिए दुनिया के किसी भी कोने में छिपे अपराधी को खोजा या पकड़ा जा सकता है।मगर पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों में अलग से बनाई गई साइबर शाखाओं के विशेषज्ञ क्या डिजिटल तकनीक में इतने पारंगत नहीं हैं कि वे ऐसे अपराधियों का पता लगा सकें? सरकार और प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा, क्योंकि यह केवल दहशत फैलाने का मामला नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी सवाल है।

इक्कीसवीं सदी की विकास यात्रा में भारत एक महत्त्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी और देश की संसद को एक महत्त्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को और ज्यादा व्यापक एवं अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा तथा विधानसभाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

महिला आरक्षण विधेयक भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है

पीएम नरेंद्र मोदी

यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है, जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग-अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं और ओड़ीशा में महाबिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरल में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनिया भर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं यह कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं।

इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की है। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्त्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्त्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। विज्ञान एवं तकनीक से लेकर उद्यमशीलता तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र तक महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं।

इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है। मगर ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है।

लोकतंत्र को ज्यादा संवेदनशील और संतुलित बनाने का प्रयास-इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और दृष्टिकोण बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, शासन की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को ज्यादा संवेदनशील और संतुलित बनाने का प्रयास है।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसविदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है।

अब जरूरत है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए।

विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो। अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। अगर अब भी हम इसे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं।

आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और उसे भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिल कर इस कदम के महत्त्व को समझना है और एकजुट होकर इसे साकार करना है। यही नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रख कर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी बनाने की क्षमता में होती है। संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारी शक्ति के लिए इस महत्त्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

महाकौशल के सियासी रण में भाजपा-कांग्रेस की जद्दोजहद- सुज्जलदास

पिछले दो दशकों से मध्य प्रदेश की राजनीतिक नब्ज को टटोलते हुए मैंने जबलपुर और पूरे महाकौशल क्षेत्र की राजनीति में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। संस्कारधानी के नाम से मशहूर जबलपुर की राजनीतिक गलियां हमेशा से सत्ता के गलियारों तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाती रही हैं। आगामी चुनावों की आहट के साथ ही जबलपुर की आबोहवा में एक बार फिर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है।

आइए, एक विश्लेषक की नजर से समझते हैं कि जबलपुर में भाजपा, कांग्रेस और बसपा की वर्तमान स्थिति क्या है और उनकी रणनीतियां किस दिशा में जा रही हैं।

जबलपुर वर्तमान में भाजपा का एक मजबूत गढ़ बना हुआ है। संगठन की मजबूती, कैडर-आधारित संरचना और हिंदुत्व के साथ-साथ विकास के नैरेटिव पर भाजपा मजबूती से टिकी है। हाल ही में कांग्रेस से कई बड़े नेताओं (जैसे महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' का दलबदल) के भाजपा में शामिल होने से पार्टी मनोवैज्ञानिक रूप से काफी मजबूत स्थिति में है। यह एक आक्रामक सत्ताधारी दल की छवि प्रस्तुत करता है, जो विपक्ष को कोई भी खाली स्थान नहीं देना चाहता।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसः खोई जमीन वापस पाने की जद्दोजहद-जबलपुर में कांग्रेस का जनाधार हमेशा से रहा है, लेकिन गुटबाजी और मजबूत नेतृत्व के अभाव में पार्टी संघर्ष कर रही है। बड़े चेहरों के पार्टी छोड़ने से कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ा है। हालांकि, कांग्रेस अब भी ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में एक मजबूत विपक्ष है।

पार्टी सत्ता विरोधी लहर, बेरोजगारी और स्थानीय नागरिक मुद्दों को उठाकर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है।

बसपा सिमटता प्रभाव-कभी जबलपुर के कुछ ग्रामीण और आरक्षित क्षेत्रों में बसपा का सीधा दखल हुआ करता था, लेकिन आज पार्टी केवल एक 'वोट कटवा' दल की भूमिका में सिमट कर रह गई है। दलित और आरक्षित वोट बैंक का एक बड़ा हिस्सा या तो भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं (जैसे लाड़ली बहना आदि) की ओर खिसक गया है या कांग्रेस के पाले में चला गया है।

बसपा के पास न तो कोई बड़ा स्थानीय चेहरा है और न ही संगठन की वह धार बची है, जो उसे मुख्य मुकाबले में ला सके।

भाजपा की रणनीतिः माइक्रो-मैनेजमेंट और लाभार्थी वर्ग-भाजपा हवा-हवाई राजनीति के बजाय 'पन्ना प्रमुख' और बूथ समिति के स्तर पर काम कर रही है। उनका लक्ष्य हर बूथ पर 500 से अधिक वोट शेयर हासिल करना है। राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों का डेटाबेस तैयार कर उनसे सीधा संपर्क साधा जा रहा है।

साथ ही, कांग्रेस के असंतुष्ट लेकिन जनाधार वाले नेताओं को अपने पाले में लाकर विपक्ष को मनोवैज्ञानिक रूप से कमजोर करने की रणनीति पर लगातार काम हो रहा है।

कांग्रेस की रणनीतिः जमीनी मुद्दे और नया नेतृत्व-कांग्रेस जबलपुर में बदहाल सड़कें, जलभराव, भ्रष्टाचार और स्थानीय प्रशासन की विफलताओं को मुख्य मुद्दा बना रही है।

युवा और महिलाओं पर फोकस-पुरानी पेंशन योजना, महिला सुरक्षा और युवाओं के रोजगार जैसे मुद्दों को उठाकर नए वोट बैंक को साधने की कोशिश।

गुटबाजी पर लगाम-प्रदेश आलाकमान की कोशिश है कि जबलपुर के क्षत्रपों (स्थानीय दिग्गजों) को एक मंच पर लाया जाए, ताकि भीतरघात से बचा जा सके।

संगठनात्मक पुनर्गठनः चुनावी तैयारी का आईना-हाल ही में दोनों दलों द्वारा संगठन और कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया है, जो उनकी चुनावी तैयारी का सबसे बड़ा संकेत है।

भाजपा की कार्यकारिणीः जातीय संतुलन और अनुशासन-भाजपा ने अपनी नई कार्यकारिणी में अनुभवी नेताओं और युवा जोश का बेहतरीन तालमेल बिठाया है। इसमें महाकौशल के जातीय समीकरणों (ओबीसी, आदिवासी और सवर्ण) को साधने की स्पष्ट कोशिश की गई है।

आरएसएस (ऋस्स) पृष्ठभूमि वाले अनुशासित कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। स्पष्ट कमान और अनुशासन के कारण भाजपा की कार्यकारिणी अधिक सक्रिय और परिणामोन्मुखी नजर आ रही है।

कांग्रेस की कार्यकारिणीः गुटों को साधने की मजबूरी-कांग्रेस की नई कार्यकारिणी में अनुभव को तरजीह दी गई है, लेकिन यह कई मायनों में 'बैलेंसिंग एक्ट' ज्यादा लगती है।

विशेषता-सभी गुटों (कमलनाथ समर्थक, दिग्विजय समर्थक आदि) को संतुष्ट करने के लिए कार्यकारिणी का आकार बड़ा और कभी-कभी भारी-भरकम हो जाता है।

युवा चेहरों की एंट्री-कुछ नए और तेज-तर्रार युवाओं को भी जगह मिली है, जो सड़क पर संघर्ष करने की क्षमता रखते हैं।

चुनौती-संगठन कागज पर मजबूत दिखता है, लेकिन समन्वय की कमी साफ झलकती है। जब तक सभी पदाधिकारी एक दिशा में काम नहीं करेंगे, इसका जमीनी फायदा सीमित ही रहेगा।

(लेखक जबलपुर के वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)।

वर्ग पहेली 6058

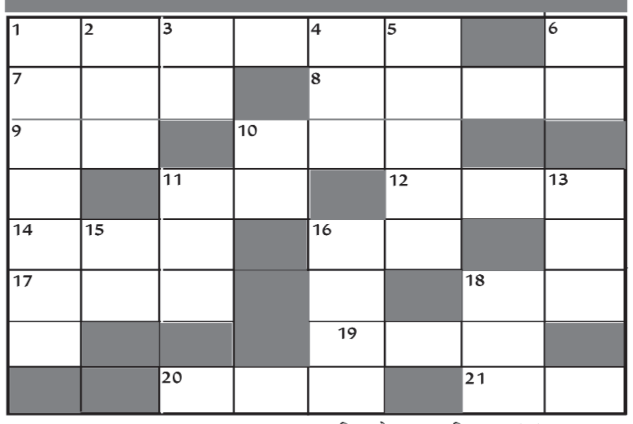

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1919 को इस देश ने खुद को ब्रिटेन से आजाद घोषित किया (6)
7. घर्षण करना, रगड़ना, धीरे-धीरे घिसना (3)
8. वर देने वाला, वर दायक (4)
9. सर्वसाधारण, जनता (2)
10. प्रकार, जेवर, गहना (3)
11. अंधेरा, अंधकार, कालिख, कालिमा (2)
12. प्रसिद्ध संगीतकार आरडी बर्मन इस नाम से भी जाने जाते थे, पांचवा (3)
14. पश्चिमी अफ्रिका के घाना देश की राजधानी (3)
16. संगी, मित्र, सखा, दोस्त (2)
17. गले से नीचे पेट में उतारना, निगलना (3)
18. सार, जगत का मूल कारण, एलिमेंट (2)
19. अप्राप्त, जो जल्दी न मिल सके, दुर्लभ, मुश्किल (3)
20. हलफ, सौगंध, कसम (3)
21. मुनाफा, फायदा, हित, मिलना, प्राप्ति (2)

ऊपर से नीचे

1. यह नाम सरोदवादन के साथ जुड़ा है (7)
2. परिणाम उत्पन्न करना, फलना (3)
3. गीत प्रस्तुत करना, स्तुति करना (2)
4. स्तुति करने वाला, स्तुति वादक (3)
5. नरम दिल का व्यक्ति (5)
6. आय-व्यय एवं लेन-देन आदि का लेखा, अनाज रखने का गड्डा (2)
10. प्रेमकर्ता, आनंदप्रद, एक प्रकार की विलायती मदिरा (2)
11. गीत, नगमा (3)
13. बड़े होने का भाव, गुरूता, अधिक परिणाम जनक (3)
15. अव्यक्त मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
16. वाराणसी के समीप (करीब 6 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित बौद्धों का एक तीर्थस्थल, सारंगनाथ)(4)
18. जाकिर हुसैन नाम इस वाद्य के साथ जड़ा है (3)

वर्ग पहेली 6057 का हल

हं	ग	री		पा	र	स	
स	म	ता	पा	र्टी		वा	दा
		फा	ल		ज	ल	द
न		रि		रा	ह	ज	नी
फ	रि	या	द		र	वा	
र	त		रि	द		ब	ल
त	ना	व	दा	र			गा
		ह		मा	ल	दी	व

2030 तक जलवायु और युद्ध- मानवता और अर्थव्यवस्था को चुनौती दे रहा है वैश्विक संकट

(अजय प्रताप तिवारी)

वैश्विक प्रगति की दौड़ में, जहां मानव सभ्यता सतत विकास को आत्मसात करने का प्रयास कर रही है, वहीं जलवायु परिवर्तन एक अदृश्य, लेकिन दुर्जेय अवरोध के रूप में उभरा है। आज के विश्व में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में निहित आर्थिक समृद्धि, सामाजिक समानता और पर्यावरणीय संतुलन के त्रिविमीय उद्देश्य बाढ़, सूखा और प्राकृतिक आपदाओं की भंवर में उलझ जाते हैं।

जलवायु संकट केवल पर्यावरणीय आपदा नहीं, बल्कि बहुआयामी चुनौती है। यह आर्थिक असमानता को गहरा रही है और सामाजिक स्थिरता को संकट में डाल रही है। यह संकट केवल मौसमी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है। यह प्रणालीगत विफलता का भी द्योतक है।

हिमालयी क्षेत्रों में हिमनदों के तेजी से पिघलने से जल संसाधनों का संकट बढ़ रहा है। यह स्थिति भारत की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगी, जहां साठ फीसद से अधिक जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। संयुक्त राष्ट्र की हालिया रपट चेतावनी देती है कि यदि वैश्विक तापमान वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर जाती है, तो सतत विकास लक्ष्य जैसे- सबको भोजन, स्वच्छ जल, आर्थिक समानता, जलवायु कार्रवाई जैसे लक्ष्य असाध्य हो जाएंगे।

इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की अवधि वर्ष 2030 निर्धारित है। वैश्विक लक्ष्यों में गरीबी खत्म करना, पर्यावरण की रक्षा, नवाचार, टिकाऊ उपभोग, आर्थिक असमानता को कम करना और सभी के लिए शांति और न्याय सुनिश्चित करना शामिल है। जबकि ऊर्जा संसाधनों पर एकाधिकार के लिए हो रहे युद्ध इस बात का संकेत है कि सतत विकास और समावेशी समाज के निर्माण का संयुक्त राष्ट्र का स्वप्न कभी पूरा नहीं होगा। पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष न केवल रणनीतिक नुकसान है, बल्कि यह एक बड़ा पर्यावरणीय संकट है। इसके प्रतिकूल परिणाम दीर्घकालिक होंगे।

ब्रिटेन स्थित पर्यावरणीय शोध संस्था 'कन्फ्लिक्ट एंड एन्वायरनमेंट आब्जर्वेटरी' ने युद्ध के दौरान तीन सौ से अधिक जगहों को चिह्नित किया है, जहां पर्यावरण को गंभीर नुकसान हुआ है। ईरान की तेल रिफाइनरियों पर हुए हमलों से हजारों टन तेल समुद्र में पहुंच रहा है, जो समुद्री जीवों के पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर रहा है। विस्फोट से विषैला धुआं श्वास रोग को बढ़ावा दे रहा है।

इतना ही नहीं, ऊर्जा, खाद्य संकट, गरीबी और महंगाई विकासशील राष्ट्रों के लिए विशेष रूप से जटिल समस्या है। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक स्तर पर खाद्य संकट की समस्या पहले से बढ़ रही है। खाद्य संकट पर एक वैश्विक रपट के अनुसार 53 देशों में 29 करोड़ पचास लाख से अधिक लोग गंभीर भुखमरी से प्रभावित हैं। भारत सहित विकासशील देशों में कृषि पर वर्षा और मौसम का गहरा असर देखने को मिलता है। यहां के किसानों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। यह समस्या करीबन हर साल सामने आती है।

आज का राशिफल

मेष
आज धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा और किसी निवेश से अच्छा लाभ होने के योग बन रहे हैं। शादीशुदा जातकों के जीवन में ढेर सारी खुशियां आएंगी, आप जीवनसाथी के साथ बेहद खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे। आपका व्यापार खूब आगे बढ़ेगा, जिससे बाजार में आपका काफी सम्मान होगा।

वृष
आज आप जो भी हासिल करना चाहते हैं, वह हासिल कर लेंगे, बस कड़ी मेहनत करते रहें। परिवार वालों का व्यवहार आपके प्रति काफी अच्छा रहेगा, जिससे आपके घर में शांति का माहौल रहेगा। लव पार्टनर के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं और पार्टनर से अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं।

मिथुन
आज यदि आप बिजनस में कोई बड़ा निवेश करना चाहते हैं तो आज कर सकते हैं, आपको इससे लाभ मिलेगा। आज आपका कारोबार बहुत अच्छा चलेगा और छोटे कारोबारियों को भी बड़ा फायदा हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा, आप करियर में तरक्की कर सकते हैं।

कर्क
आज किसी को कुछ भी गलत ना कहें, अन्यथा आपकी बातें सामने वाले को बुरी लग सकती हैं और आप किसी को ठेस भी पहुंचा सकते हैं। शेयर बाजार में पैसा लगाना चाहते हैं तो थोड़ा सोच-विचार कर ही पैसा लगाएं, अन्यथा आपको नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

सिंह
आज अविवाहित लोगों की बात करें तो उपयुक्त जीवनसाथी ढूंढने में आपको अधिक समय लग सकता है, इसके लिए आपको थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। विद्यार्थियों की बात करें तो आज का दिन उनके लिए अच्छा रहेगा, वह मन लगाकर पढ़ाई करेंगे।

कन्या
आज अगर आपका कोई काम लंबे समय से रुका हुआ है तो वह रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है, जिससे आपको काफी खुशी मिलेगी। यदि धन, व्यापार या संपत्ति से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका हुआ था तो वह मामला भी आज सुलझ सकता है।

तुला
आज अगर कोई महत्वपूर्ण काम लंबे समय से रुका हुआ था तो आज आपका काम समय पर पूरा हो जाएगा। नौकरी पेशा जातक आज किसी दूसरी कंपनी में इंटरव्यू के लिए जा सकते हैं। आज आप जो भी काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी और सुख सुविधा व सम्मान में अच्छी वृद्धि होगी।

वृश्चिक
नौकरी पेशा जातकों को आज अधिकारियों की तरफ से अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। लव पार्टनर के साथ जीवन का आनंद उठाएंगे और उनके साथ कहीं बाहर भी जा सकते हैं। यदि आप आज किसी मंदिर या किसी धार्मिक स्थान पर जाकर गरीबों की मदद करेंगे तो आपको बहुत पुण्य मिलेगा

धनु
आज स्वास्थ्य की बात करें तो आपकी सेहत बिल्कुल फिट रहेगी। यदि आप सामाजिक कार्य करते हैं तो लोग आपके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करेंगे, जिससे आपका सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा की योजना बना सकते हैं।

मकर
आज अगर आपको किसी को पैसा उधार देना है तो बिना सोचे-समझे किसी को पैसा उधार ना देंना, अन्यथा धन वापस लेने में परेशानी हो सकती है। आपको बच्चों का पूरा सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी भी आपका पूरा सहयोग करेगा। विद्यार्थी अपना काम समय पर पूरा करेंगे और भविष्य के करियर के बारे में भी थोड़ा सोचेंगे।

कुंभ
आज आपकी मुलाकात किसी पुराने मित्र से हो सकती है, जिसके साथ मिलकर तरक्की के कई मौके मिल सकते हैं। अविवाहित जातक अपने लिए कोई अच्छा साथी ढूंढ सकते हैं, इससे उनका मन काफी प्रसन्न रहेगा। बिजनस करने वाले लोगो कोई बड़ा ओर्डर मिल सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन
व्यापार से जुड़े लोगों की बात करें तो व्यापार में बड़ा मुनाफा मिल सकता है। आपको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है, जिसे पूरा करने में काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए, अधिक मेहनत करने के कारण आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। परिवार में सुख-शांति रहेगी और घरेलू कार्य पूरे होंगे।

सुख-समृद्धि के लिए वरूथिनी एकादशी पर भगवान विष्णु को चढ़ाएं ये फूल

वैशाख महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरूथिनी एकादशी कहते हैं। इस साल यह एकादशी 13 अप्रैल को है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करना बहुत खास माना जाता है। कहते हैं कि इस व्रत को करने से सारी इच्छाएं पूरी होती हैं और भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है। अगर आप भी इस दिन व्रत रख रहे हैं, तो पूजा करते समय भगवान विष्णु को फूल जरूर चढ़ाएं, क्योंकि इससे उनकी खास कृपा मिलती है। तो चलिए जानते हैं कि वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन-कौन से फूल चढ़ाने चाहिए।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं कमल

कमल का फूल भगवान विष्णु को बहुत पसंद है। इसे अच्छी किस्मत और तरक्की का प्रतीक माना जाता है। वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कमल के फूल चढ़ाना बहुत अच्छा फल देता है। कमल का फूल भगवान विष्णु को अर्पित करने से जीवन में धन, दौलत और सुख-शांति मिलती है। यह फूल खासकर शुभता और अमीरी का प्रतीक है और इसे चढ़ाने से घर में पैसे की कमी दूर होती है। इसके साथ ही, यह मन को शांति और संतोष भी देता है, जिससे इंसान की परेशानियां कम होती हैं और जीवन में खुशी बनी रहती है।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं गुड़हल

गुड़हल का फूल मां लक्ष्मी को तो पसंद है ही, साथ ही यह भगवान विष्णु के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह फूल ज्यादातर लाल रंग का होता है और इसकी ताज़गी और सुंदरता भगवान विष्णु के लिए हमारी श्रद्धा को और भी बढ़ा देती है। गुड़हल का फूल चढ़ाने से इंसान को जीवन की हर तरह की रुकावटों से छुटकारा मिलता है। यह भगवान विष्णु की कृपा को अपनी ओर खींचता है, जिससे कामों में सफलता मिलती है और मन के सारे तनाव दूर हो जाते हैं। गुड़हल के फूल का इस्तेमाल खासकर शांति और अच्छी ऊर्जा बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह फूल घर में सुख और समृद्धि लाने का काम करता है।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं गेंदा

गेंदे के फूल का रंग भगवान विष्णु के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। यह फूल भगवान विष्णु के चरणों में चढ़ाने से उनकी खास कृपा मिलती है और जीवन में खुशियां आती हैं। नारंगी रंग का फूल भगवान विष्णु को चढ़ाने से इंसान के जीवन से गरीबी और मुसीबतें दूर होती हैं। यह फूल तरक्की और सफलता का प्रतीक है और इसे चढ़ाने से व्यक्ति को अपने कामों में कामयाबी मिलती है। नारंगी फूल पूजा में चढ़ाने से व्यक्ति के घर में खूब धन आता है और हर तरह की परेशानियां दूर हो जाती हैं।

इस पद्धति से पूजा करने पर बिना एक रुपए खर्च किए मिलता है अनंत गुणा पूजन का शुभ फल

धर्मशास्त्रों में पूजा को हजार गुना अधिक महत्वपूर्ण बनाने के लिये एक उपाय बतलाया गया है, वह उपाय है, मानस पूजा। मानस पूजा का प्रचार कम होने से बहुत लोग इस पूजा पद्धति से अपरिचित हैं, शास्त्रों के अनुसार मानस पूजा अवश्य अपनानी चाहिए। भगवान को किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं, वे तो भाव के भूखे हैं। संसार में ऐसे दिव्य पदार्थ उपलब्ध नहीं हैं, जिनसे परमेश्वर की पूजा की जा सके, इसलिये पुराणों में मानस पूजा का विशेष महत्व वर्णित है।

भगवान की पूजा करते समय यदि सच्चे मन से मन:कल्पित एक पुष्प भी भगवान को अर्पण किया जाए तो करोड़ों बाहरी फूल चढ़ाने के बराबर होता है। इसी प्रकार मानस चन्दन, धूप, दीप, नैवेद्य भी भगवान को करोड़ गुना अधिक संतोष देते हैं। मानस पूजा में भक्त अपने आराध्य देव के लिए श्रेष्ठ से श्रेष्ठ पूजन सामग्री को अर्पण करने की कल्पना करता है, इस कार्य हेतु भक्त का मन इन पूजन वस्तुओं को एकत्र करने के लिए न केवल अनन्त ब्रह्माण्ड, बल्कि इसकी पहुंच से परे गोलोक, साकेतलोक, सदाशिवलोक तक पहुंच जाता है, यानी अनंत ब्रह्माण्ड में इन्द्रलोक से ब्रह्मलोक, कहीं से भी मानस पूजा में दिव्य वस्तुओं को एकत्र कर भगवान को अर्पण किया जाता है। इस प्रकार भक्त अपने आराध्य देव को दिव्य आसन देता है, वस्त्र और आभूषण पहनाता है, चन्दन लगाता है, मालाएं पहनाता है, धूप-दीप दिखलाकर नैवेद्य अर्पित करता है।

मानस पूजा विधि

वस्तुत: भगवान को किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं, वे तो भाव के भूखे हैं। संसार में ऐसे दिव्य पदार्थ उपलब्ध नहीं हैं, जिनसे परमेश्वर की पूजा की जा सके, इसलिये पुराणों में मानस पूजा का विशेष महत्व माना गया है। मानस पूजा की संक्षिप्त विधि पुराणों से संकलित कर नीचे वर्णित है-

- **ओम लं पृथिव्यात्मकं गन्धं परिकल्पयामि।** प्रभु, मैं पृथ्वी रूप गन्ध, चन्दन आपको अर्पित करता हूं।
- **ओम हं आकाशात्मकं पुष्पं परिकल्पयामि।** प्रभु, मैं आकाश रूप पुष्प आपको अर्पित करता हूं।
- **ओम यं वाय्वात्मकं धूपं परिकल्पयामि।** प्रभु, मैं वायुदेव के रूप में धूप आपको प्रदान करता हूं।
- **ओम रं वह्न्यात्मकं दीपं दर्शयामि।** प्रभु, मैं अग्निदेवके रूप में दीपक आपको प्रदान करता हूं।
- **ओम वं अमृतात्मकं नैवेद्यं निवेदयामि।** प्रभु, मैं अमृतके समान नैवेद्य आपको निवेदन करता हूं।
- **ओम सौं सर्वात्मकं सर्वोपचारं समर्पयामि।** प्रभु, मैं सर्वात्मा के रूप में संसार के सभी उपचारों को आपके चरणों में समर्पित करता हूं।

ऊपर वर्णित मंत्रों से शुद्ध भावना पूर्वक मानस पूजा कर श्रेष्ठ फल प्राप्त किया जा सकता है।

क्यों मां दुर्गा के वस्त्र हैं लाल और मां सरस्वती के वस्त्र सफेद?

विद्या की देवी सरस्वती की वेशभूषा श्वेत क्यों है, देवियों के वस्त्र लाल रंग के ही क्यों सर्वाधिक होते हैं। प्रत्येक रंग का अपना एक विशिष्ट महत्व है, ग्रहशांति में भी सर्वप्रथम कौन-सा ग्रह पीड़ा दे रहा है, यह जानकर उस ग्रह से संबंधित वस्त्र दान करना अथवा ग्रह सबल होने पर उसी ग्रह से संबंधित रंग के वस्त्रों का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है।

सफेद वस्त्र धारण करने वाली देवी सरस्वती जी हैं। सरस्वती जी के सफेद वस्त्र धारण करने का रहस्य यही है कि पूर्ण ज्ञान बिल्कुल श्वेत होता है और जिस समय व्यक्ति के अन्दर प्रज्ञा बुद्धि उत्पन्न होती है तो बिना सफेद वस्त्र पहने प्रज्ञा को धारण करना असंभव हो जाता है। मां सरस्वती जी इसलिए श्वेत वस्त्र धारण करती हैं। सफेद वस्त्र धारण करने का विधान उन सबके लिए है जो शुद्ध सात्विक हैं तथा जो विमल बुद्धि प्राप्त करना चाहते हैं और प्रज्ञा बुद्धि के इच्छुक हैं। मां सरस्वती गायन, वादन, अभिनय, नृत्य की अधिष्ठात्री हैं। लाल वस्त्र मां दुर्गा धारण करती हैं और भी समस्त देवियां लाल, पीला, गुलाबी वस्त्र धारण करती हैं। मां लक्ष्मी भी लाल वस्त्र धारण कर ही भाग्यानुसार जातकों को लक्ष्मी प्रदान करती हैं। लाल रंग शक्ति, साहस और पराक्रम का प्रतीक है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि देवी मां दुर्गा शक्ति की देवी हैं, इसलिए उनका वस्त्र भी उसी शक्ति का रंग दर्शाता है।

मां दुर्गा असुरों का संहार करती हैं, लाल रंग वीरता और रणशक्ति का प्रतीक है। भारतीय परंपरा में लाल रंग शुभता के साथ वीरता को दर्शाता है, शुभ कार्य जैसे, विवाह में, पूजा में, सिंदूर में लाल रंग का प्रयोग सर्वाधिक होता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार कल्याण की देवी दुर्गा को लाल रंग अतिप्रिय है, गुड़हल का लाल पुष्प चढ़ाने से देवी शीघ्र प्रसन्न होती हैं। लाल गुलाब आदि भी देवी पर चढ़ाए जाते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि भगवे वस्त्र ऋषि-महर्षि, मुनि, संत-महात्मा धारण करते हैं, बिना भगवे वस्त्र धारण किए ये उपासना नहीं करते हैं। रंगों का चयन उनकी प्रकृति के अनुसार करने पर साधक को मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं। उदाहरण के लिए बुध ग्रह के दान में हरी वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है, बृहस्पति ग्रह के दान में पीली वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए, इसी प्रकार अलग-अलग रंग के वस्त्र एवं उनसे संबंधित वस्तुओं का प्रयोग ग्रहों के बलाबल के अनुसार करने की परम्परा है।

गुरु की बात सुनने और अनसुना करने का क्या होता है अंतिम परिणाम

अगर आपको सफलता चाहिए तो अर्जुन बनिए, दुर्योधन नहीं। कल्पना कीजिए, रणभूमि में यदि अर्जुन ने श्रीकृष्ण के उपदेशों को अनसुना कर दिया होता और वे अपने संशय में ही उलझे रहते, कर्तव्य से विमुख हो जाते तो संभवतः युद्ध का परिणाम भी भिन्न होता। कोई भी व्यक्ति अर्जुन की तरह गुरु के वचनों को स्वीकार कर अपने जीवन को दिशा दे सकता है या दुर्योधन की तरह उन्हें अनसुना कर अपने पतन के लिए स्वयं जिम्मेदार रहता है।

जीवन में हर व्यक्ति के सामने ऐसे निर्णायक क्षण आते हैं, जब उसे निर्णय लेना होता है, सही निर्णय का अंतिम परिणाम सफलता और गलत निर्णय का अंतिम परिणाम असफलता होता है, लेकिन यह निर्णय लेते समय समझ में नहीं आता है। सफलता या असफलता का पता बाद में परिणाम आने पर ही पता चलता है।

महाभारत के अर्जुन, दुर्योधन के चरित्र का अध्ययन करने से यह पता चलता है कि जीवन में जिन लोगों ने अर्जुन की भांति श्रीकृष्ण रूपी मार्गदर्शक के उपदेशों को सुनकर उन पर अमल किया, वह अपने जीवन संग्राम में सफल रहे। सुमति और कुमति के रूप में व्यक्ति के अन्दर अर्जुन और दुर्योधन दोनों रहते हैं, कभी अर्जुन निर्णय लेता है तो कभी दुर्योधन। जब ग्रहदशा अच्छी हो तो व्यक्ति अर्जुन की भांति सही निर्णय एवं उचित कर्म कर परिणाम के रूप में सफलता प्राप्त करता है। वहीं अनिष्ट ग्रहदशा के प्रभाव से अक्सर व्यक्ति के अन्दर का दुर्योधन जाग जाता है, जो व्यक्ति को श्रीकृष्ण जैसे मार्गदर्शक की बात अनसुनी करने पर मजबूर कर देता है। निर्णायक क्षण में मार्गदर्शक श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया, अर्जुन ने मार्गदर्शक श्रीकृष्ण के वचनों को केवल सुना ही नहीं, बल्कि पूरी गहराई से समझने का प्रयास भी किया। अर्जुन ने अपने अहंकार और भ्रम को एक ओर रखकर स्वयं को एक शिष्य के रूप में समर्पित किया। यही वह बिंदु था जहा से अर्जुन के जीवन में परिवर्तन प्रारंभ हुआ। गुरु वचनों को

आत्मसात करते ही उनका मानसिक द्वंद्व समाप्त हो गया और वे अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ हो गए। परिणामस्वरूप, उन्होंने युद्ध में विजय प्राप्त की, आज भी अर्जुन का नाम सम्मानपूर्वक लिया जाता है। जीवन में निर्णायक क्षणों पर लिया गया निर्णय ही भाग्य का निर्माण करता है, गुरु वचन केवल सलाह नहीं, जीवन की दिशा बदलने वाला सूत्र है, अत: जब भी अपने गुरु के पास जाएं तो उनके वचनों पर अमल अवश्य करें।

लाल किताब बताती है, शनि की स्थिति से कब बनेगा आपका अपना घर

लाल किताब में अनिष्ट ग्रहों की पीड़ा एवं दुर्भाग्य मुक्ति के उपाय के साथ ग्रह-नक्षत्रों के प्रभाव एवं उनके निदानों की चर्चा की गई है। लाल किताब की कुण्डली बनाकर देखें, कि शनि किस घर में बैठा है और उसका क्या फल है। शनि का सम्बन्ध लोहा, भवन निर्माण, मजदूर, कारीगर आदि से होने के कारण इन्हीं कारकों की प्रबलता के कारण व्यक्ति के सपनों का आशियाना बनता है।

शनि यदि पहले भाव में हो और सातवें तथा दसवें भाव में कोई भी ग्रह न हो, तो लाल किताब के मतानुसार व्यक्ति अपना मकान अवश्य ही बनाता है। शनि यदि दूसरे भाव में है तो बहुत बड़ा न सही, छोटे-छोटे दो मकान बनवाने का मौका अवश्य मिलता है। शनि यदि तीसरे भाव में है तो उपाय करने से स्वयं का मकान बनाने की सम्भावनाएं बढ़ती हैं। कुत्तों को प्रतिदिन कुछ न कुछ खाने के लिए अवश्य दें, ऐसा करने पर जल्द ही मकान बनने की परिस्थितियां बनने लगेंगी।

चौथे और पांचवे भाव में शनि

चौथे भाव में शनि हो तो व्यक्ति किसी भी प्रकार से येन-केन-प्रकारेण साधनों का प्रयोग करके मकान बना ही लेता है। पंचम भाव में शनि के होने पर अगर 45 साल से पहले मकान बनता है, तो संतान के लिए कष्टकारी रहता है, इससे बचने के लिए काली गाय का दान करने का विधान बताया गया है।

छठे, सातवें और आठवे भाव में शनि

छठे भाव में शनि हो तो 40 वर्ष की आयु से पहले मकान बनना शुभ होता है। सप्तम भाव में शनि होने पर एक से अधिक मकान बनते हैं यानी पैतृक का लाभ भी मिलता है। अष्टम भाव में शनि के होने पर मकान बना पाने की संभावना क्षीण होती हैं, पर राहु और केतु की स्थिति अच्छी मकान बन भी सकता है। धीरे-धीरे अपनी ही कमाई से मकान बनता है।

नवम भाव में शनि

नवम भाव में शनि के होने पर व्यक्ति एक से अधिक मकान बना सकता है। लाल किताब नवम भाव में बैठे शनि वाले जातकों के लिए कहती है कि दो मकान बनाना ही शुभ फलदायी रहेगा, तीसरा मकान न बनाएं क्योंकि यह आपकी आयु के लिए खतरनाक साबित हो सकता है, खासकर यदि आपकी पत्नी गर्भवती है तो मकान का निर्माण न शुरू करें।

दसवें भाव में शनि

शनि यदि दसवें भाव में हो तो 48 वर्ष की आयु के बाद ही मकान बनाना शुभकारी है। वैसे मकान पहले भी बन सकता है, पर मकान को कहीं न कहीं अधूरा ही रहने दें वरना आमदनी में गिरावट आ सकती है अथवा भारी धनहानि हो सकती है।

ग्यारहवें और बारहवें भाव में शनि

ग्यारहवें भाव में शनि हो तो आपको 55 वर्ष के बाद मकान बनाना शुभ फलदायी होगा। बारहवें भाव में शनि आपको मकान अवश्य देता है, चाहे वह छोटा हो या बड़ा। वैसे मौका मिलते ही आपको छोटे मकान का निर्माण जरूर करा लेना चाहिए क्योंकि यह पहला मकान ही बाद में नए भव्य भवन के बनने का रास्ता खोल देता है।

बुरे हाल में था ओला इलेक्ट्रिक का शेयर, 21 रुपये पहुंच गया था दाम, अब 85 प्रतिशत से ज्यादा की तूफानी तेजी

मुंबई, एजेंसी। बुरे हाल में रहने के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयर इन दिनों मार्केट में धमाल मचाए हुए हैं। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर शुक्रवार को इंट्राडे के दौरान 8 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 39.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में गुरुवार को भी 20 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली थी। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली इस कंपनी के शेयर 5 दिन में 31 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। वहीं, 30 मार्च से लेकर अब तक कंपनी के शेयरों में 73 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। अगर 52 हफ्ते के निचले स्तर से बात करें तो ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 85 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं।

कंपनी के शेयर के थे बुरे हाल, 85 प्रतिशत से ज्यादा गए थे टूट: ओला इलेक्ट्रिक के शेयर अपने ऑल टाइम हाई लेवल से 85 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए थे। कंपनी के शेयर 20 अगस्त 2024 को 157.53 रुपये पर थे। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर लुढ़कते हुए 2 मार्च 2026 को 21.21 रुपये पर जा पहुंचे थे। हालांकि, 21.21 रुपये तक पहुंचने के बाद कंपनी के शेयरों ने जोरदार वापसी की है। इस लेवल से ओला इलेक्ट्रिक के

शेयर 85 पर्सेंट से ज्यादा उछलकर 39.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। ओला इलेक्ट्रिक का मार्केट कैप भी शुक्रवार 10 अप्रैल को 17,200 करोड़ रुपये के पार जा पहुंचा है। पिछले एक महीने में ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में 65 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है।

कंपनी ने किया है बड़ा अनाउंसमेंट: ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले दिनों अपने इन-हाउस डिवेलप्ड लिथियम आयरन फॉस्फेट सेल की घोषणा की है। ओला इलेक्ट्रिक के फाउंडर भाविश अग्रवाल ने पिछले दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की है कि उनका इन-हाउस डिवेलप्ड लिथियम आयरन फॉस्फेट सेल तैयार है। अग्रवाल ने बताया, 'यह हमारा 46100 फॉर्मेट सेल है, जो कि हमारे मौजूदा हस्ष्ट सेल से बड़ा है। यह अगली तिमाही से हमारे प्रॉडक्ट्स में आने लगेगा।'

मार्च के आखिरी हफ्ते में हर दिन 1000 यूनिट्स से ज्यादा ऑर्डर: मार्च में ओला इलेक्ट्रिक का बिजनेस परफॉर्मेंस काफी मजबूत रहा है। मार्च के आखिरी हफ्ते में हर दिन के ऑर्डर 1,000 यूनिट्स से ज्यादा रहे हैं। मार्च में कंपनी के रजिस्ट्रेशंस मंथली बेसिस पर 150 पर्सेंट बढ़कर 10,117 यूनिट्स रहे हैं, जो कि फरवरी में 3973 यूनिट्स थे। ओला इलेक्ट्रिक ने बताया है कि उसकी बाजार हिस्सेदारी में वी-शेप्ड मंथली रिकवरी देखने को मिली है।

1 पर 1 शेयर बोनस, 5 टुकड़ों में भी बंटने जा रहा स्टॉक, रिकॉर्ड डेट तय

मुंबई, एजेंसी। शेयर आज शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में फोकस में रहेंगे। कंपनी के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। इस कंपनी ने बोनस शेयर देने का भी फैसला किया। कंपनी की तरफ से दी जानकारी में कहा गया है कि 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस के तौर पर बांटा जाएगा। बता दें, कंपनी ने बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा गया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी

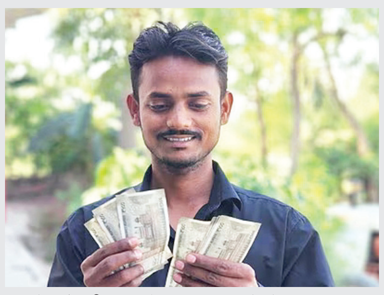

के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट के लिए 24 अप्रैल 2026 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार शेयर 24 अप्रैल 2026 को ही एक्स-बोनस ट्रेड करेंगे। कंपनी ने बताया है कि 2 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 1 शेयर बोनस के तौर पर मिलेगा। बता दें, कंपनी पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर देने जा रही है। शेयर बीएसई में 2.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 121.90 रुपये के स्तर पर था।

सोना-चांदी के गिरे भाव, 152561 पर आया गोल्ड, सिल्वर 242067 पर पहुंची

मुंबई, एजेंसी। घरेलू मार्केट में सोने-चांदी के भाव में आज गिरावट है। शुक्रवार, 10 अप्रैल को

एमसीएक्स पर चांदी 0.7 प्रतिशत गिरकर 2,42,067 प्रति किलो पर आ गई। जबकि, गोल्ड 0.56 प्रतिशत गिरकर 1,52,561 प्रति 10 ग्राम पर आ गया। दूसरी ओर इंटरनेशनल मार्केट में सोने-चांदी का मिलाजुला रुख देखने को मिला। स्पॉट सिल्वर जहां 0.1 प्रतिशत बढ़कर 75.11 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वहीं, स्पॉट गोल्ड 0.2 प्रतिशत गिरकर 4,755.84 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स भी 0.8 प्रतिशत गिरकर 4,779.20 डॉलर पर आ गया। हाल के दिनों में सोने की कीमतों में गिरावट के पीछे कई कारण हैं। जैसे डॉलर की मजबूती, भू-राजनीतिक तनाव में नरमी, निवेशकों द्वारा अन्य बाजारों में नुकसान की भरपाई और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होना। दरअसल, सोना एक नॉन-यील्डिंग एसेट है, इसलिए जब ब्याज दरें ऊंची रहती हैं तो इसकी मांग कम हो जाती है। ईरान युद्ध से जुड़े मुद्दे अब भी पूरी तरह हल नहीं हुए हैं। शनिवार को इस्लामाबाद में अहम बातचीत होने जा रही है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे। इसमें ईरानी अधिकारियों के बीच बातचीत होगी। इस बीच, होर्मुज में शुल्क को लेकर अमेरिका ने ईरान को चेतावनी भी दी है। वहीं, लेबनान में इजरायली हमलों से संघर्ष विराम पर भी खतरा मंडरा रहा है। महंगाई और फेड की नीति पर असर : छह सप्ताह से जारी युद्ध ने महंगाई के रिस्क को बढ़ा दिया है। इससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती को टाल सकते हैं या बढ़ा भी सकते हैं। अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में उपभोक्ता खर्च में बहुत मामूली बढ़ोतरी हुई है।

अडानी के शेयर पर दिग्गज ब्रोकरेज फिदा, मुनाफे के लिए खरीदने की दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयर में भले ही सुस्ती हो लेकिन इसको लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। अडानी पोर्ट्स के शेयर को ब्रोकरेज छ्रूफाइनेंशियल ने खरीदें रेटिंग दी है और इसका टारगेट प्राइस भी तय किया है। आइए डिटेल जान लेते हैं। ब्रोकरेज छ्रूफाइनेंशियल ने अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन पर 'बाय' की रेटिंग बरकरार रखी है और टारगेट प्राइस 1,725 रुपये दिया है। वर्तमान में यह शेयर 1448 रुपये के स्तर पर है। इसी फरवरी महीने में शेयर 1,584 रुपये तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। शेयर के 52 हफ्ते के लो की बात करें तो 1,111.60 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में 500 मिलियन मीट्रिक टन से ज्यादा कार्गो संभाला है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से जुड़ी रुकावटों के बावजूद, कंपनी अपने पहले के अनुमान के लगभग करीब पहुंच गई है।

सहारा रिफंड का पैसा 45 दिन बाद भी नहीं आया तो फिर से क्लेम करें

पहले भी मिल चुका है 50000 तक का पेमेंट

मुंबई, एजेंसी। सहारा इंडिया में फंसे पैसे को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। अगर आपका रिफंड क्लेम कलेम करने के बावजूद 45 दिन के अंदर नहीं आए तो वे एक बार फिर से क्लेम करें। सहरा रिफंड पोर्टल पर दी गई जानकारी के मुताबिक जिन लोगों के क्लेम में पहले कमी बताई गई थी, वे अब उस कमी को सुधारकर फिर से आवेदन कर सकते हैं। जैसे पहले जो डॉक्यूमेंट्स अधूरे थे, उन्हे पूरा अपलोड करें। अगर गलत जानकारी थी तो फिर से सही भरें।

रि-सबमिशन कैसे करें: जिन निवेशकों के क्लेम में कमी या पेमेंट फेल होने की समस्या आई थी, उनके लिए सरकार ने फिर से मौका दिया है। अब ऐसे निवेशक अपनी गलती सुधारकर दोबारा आवेदन कर सकते हैं, जिसके बाद 45 वर्किंग डे के भीतर भुगतान किया जाएगा। आपका क्लेम प्रोसेस नहीं होता है। तो आप फिर से आवेदन कर सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें। पहले बताई गई सभी कमियों को ठीक करना जरूरी है। अगर आपका पैसा नहीं मिला या क्लेम रिजेक्ट हुआ था और 45 दिन हो चुके हैं तो गलती सुधारें, दोबारा फॉर्म भरें और फिर से सबमिट करें। इसके लिए सबसे पहले रि-सबमिशन पोर्टल पर लॉगिन करें। क्लेम रिक्वेस्ट नंबर डालने के बाद कैप्चा कोड डालकर वैलिडेट करें। इसके बाद दोबारा फॉर्म भरें और फिर से सबमिट करें।

अब 10 लाख रुपये तक के कर सकेंगे क्लेम: जिन लोगों को पहले मैसेज या पोर्टल के जरिए कमी की जानकारी दी गई थी, वे अब उस कमी को ठीक करके दोबारा क्लेम जमा कर सकते हैं। नई व्यवस्था के तहत अब निवेशक 10 लाख रुपये तक के कुल क्लेम के लिए री-सबमिशन कर सकते हैं। इससे पहले छोटे अमाउंट वाले क्लेम ही स्वीकार किए जा रहे थे, लेकिन दायरा बढ़ा दिया गया है, जिससे ज्यादा लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार के मुताबिक, जो क्लेम दोबारा जमा किए जाएंगे, उन्हें 45 वर्किंग डे के भीतर

प्रोसेस किया जाएगा। सहारा रिफंड पोर्टल के जरिए पहले ही उन निवेशकों को भुगतान किया जा चुका है, जिनका क्लेम सही पाया गया था। ऐसे मामलों में प्रति आवेदन 50 हजार रुपये तक की राशि सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर की गई थी। हालांकि जिन लोगों के क्लेम में दस्तावेजों की कमी या अन्य त्रुटियां थीं, उन्हें पोर्टल पर इसकी जानकारी दे दी गई थी। अब वही निवेशक अपनी गलतियां सुधारकर दोबारा आवेदन कर सकते हैं। सरकार ने चरणबद्ध तरीके से यह प्रक्रिया शुरू की है ताकि पोर्टल पर ज्यादा लोड न पड़े।

अब तक अलग-अलग राशि के अनुसार तारीखें तय की गई थीं और 10 लाख रुपये तक के क्लेम भी शामिल कर लिए गए हैं। बता दें सहारा निवेशकों को पैसा लौटाने की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शुरू हुई थी।

क्या देश में है पेट्रोल और डीजल की कमी

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में होगा इजाफा 2 कंपनियों ने बढ़ाए दाम, रिलायंस ने भी खड़े किए हाथ

मुंबई, एजेंसी। ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध की वजह से दुनिया भर के देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। लेकिन भारत में सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने अब कोई इजाफा नहीं किया है। पिछले दिनों पहले नायरा और शेल इंडिया ने पेट्रोल और डीजल का रेट बढ़ा दिया था। वहीं, अब रिलायंस-बीपी के पेट्रोल पंप पर लगाए गए नए नियमों ने एक बार फिर से कीमतों में तेजी की संभावना को बल दिया है। रिलायंस के जियो-बीपी पेट्रोल पंप पर अब 1 बार में सिर्फ 1000 रुपये का ही तेल मिलेगा। जिसके बाद से इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि क्या देश में पेट्रोल और डीजल की किल्लत है। या फिर आने वाले समय में कीमतों में कोई बढ़ोतरी होने जा रही है। मार्च के महीने में नायरा ने पेट्रोल की कीमतों में 5 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। वहीं, कंपनी ने डीजल का रेट 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया गया था। इसके बाद कंपनी ने अबतक कीमतों में ना कोई कटौती की है। ना ही बढ़ोतरी देखने को मिली है। नायरा के बाद शेल इंडिया ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया था। शेल इंडिया की तरफ से डीजल की कीमतों में 25 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया गया था। वहीं, कंपनी ने पेट्रोल का रेट 7.4

रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया था। पब्लिक सेक्टर की कंपनी इंडियन ऑयल और हिंदुस्तान पेट्रोलियन ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में 2.09 रुपये से 2.35 रुपये प्रति लीटर का इजाफा कर दिया था। हालांकि, तब सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी। इंटरनेशनल मार्केट में युद्ध की वजह से कच्चे तेल का रेट 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पिछले एक महीने से बना हुआ है। वजह ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को बड़ा घाटा हो रहा है। इसी घाटे को कम करने के लिए सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती की थी। सरकार की तरफ से 10 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी को घटाया गया है। सरकार की तरफ से जारी बयानों में लगातार कहा जा रहा है कि देश में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। सरकार ने युद्ध की वजह से एक बार फिर से रूस से अधिक मात्रा में तेल खरीदना शुरू कर दिया है। इसके साथ अन्य विकल्पों को भी देखा जा रहा है। बता दें, देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडारण है।

70 से अधिक बार डिविडेंड दे चुकी है क्रिसिल लिमिटेड, फिर किया रिकॉर्ड डेट का ऐलान

मुंबई, एजेंसी। 70 से अधिक बार निवेशकों को डिविडेंड देने वाली कंपनी ने फिर से डिविडेंड देने का इरादा बना लिया है। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। बता दें, इसी महीने की 2 तारीख को क्रिसिल लिमिटेड के शेयर एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि 23 अप्रैल 2026 की तारीख को डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट तय किया गया है। क्रिसिल लिमिटेड ने कहा है कि 17 अप्रैल 2026 को बोर्ड की मीटिंग है। अगर इस मीटिंग में डिविडेंड देने का फैसला किया गया गया तब की स्थिति में 23 अप्रैल की तारीख को रिकॉर्ड डेट माना जाएगा। अब निवेशकों की निगाह कंपनी बोर्ड मीटिंग पर टिकी है। देखना होगा कि इस बार

कितने रुपये का डिविडेंड मिलता है।

क्रिसिल लिमिटेड के शेयर 2 अप्रैल 2026 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। तब कंपनी ने एक शेयर पर 28 रुपये का डिविडेंड निवेशकों को दिया था। इससे पहले 2025 में कंपनी 4 बार शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। 2025 में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को एक शेयर 59 रुपये का डिविडेंड दिया था। बता दें, पहली बार अपने निवेशकों को 2001 में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी हर एक शेयर पर 5.50 रुपये का डिविडेंड बांटा था। 2011 में क्रिसिल लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा किया गया था। तब कंपनी ने एक शेयर को 10 हिस्सों में बांट दिया था। जिसके बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो गया था।

शेयरों में आज सुबह 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 3980.05 रुपये के लेवल पर खुलने के बाद बीएसई में 4005.60 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। हालांकि, निवेशकों के लिए पिछला एक साल अच्छा नहीं रहा है।

41,534 करोड़ की सब्सिडी का असर! आसमान में उड़ने लगे खाद कंपनियों के स्टॉक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। खरीफ सीजन से पहले सरकार के बड़े फैसले ने शेयर बाजार में खाद कंपनियों को नई ऊर्जा दे दी है। सरकार द्वारा 41,534 करोड़ की फर्टिलाइजर सब्सिडी की घोषणा के बाद इस सेक्टर के शेयरों में 8 प्रतिशत से ज्यादा की जबरदस्त तेजी देखने को मिली। इस फैसले से कंपनियों की लागत कम होगी और मार्जिन बेहतर होंगे। साथ ही वेस्ट एशिया में तनाव कम होने से सप्लाई चेन में सुधार की उम्मीद है, जो सेक्टर के लिए और पॉजिटिव संकेत देता है। खारिफ सीजन से पहले यह सब्सिडी खाद उद्योग और निवेशकों दोनों के लिए बड़ा ट्रिगर साबित हो सकती है। यही वजह है कि इस सेक्टर को लेकर निवेशकों का भरोसा बढ़ता नजर आ रहा है। खाद कंपनी के शेयर 8 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए। इसके साथ ही राष्ट्रीय केमिकल एंड फर्टिलाइजर्स, नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, कोरोमंडल इंटरनेशनल और गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल जैसे अन्य शेयरों में भी 1.5 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक की मजबूती देखी गई। यह तेजी सिर्फ एक दिन की नहीं, बल्कि पूरे सेक्टर में पॉजिटिव माहौल का संकेत दे रही है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। दरअसल, सरकार द्वारा दी गई यह सब्सिडी कंपनियों के लिए किसी राहत पैकेज से कम नहीं है। इससे कच्चे माल की बढ़ती लागत का दबाव कम होगा।

भारत में गैस संकट: कांच उद्योग पर युद्ध का कहर, फिरोजाबाद से लेकर देशभर में असर

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु की कंपनी को-फाउंडर शिशिर साथ्यान पिछले एक महीने से अपने प्रीमियम ड्रिंक्स के लिए कांच की बोतलें जुटाने में परेशान हैं। उनका कहना है कि बाजार में अब कांच के फ्लास्क मिल ही नहीं रहे हैं, जबकि गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक की मांग सबसे ज्यादा होती है। बढ़ती लागत को संभालने के लिए कंपनी अब मार्केटिंग और डिस्काउंट बजट में कटौती करने पर मजबूर हो गई है। देश में कांच की कमी की सबसे बड़ी वजह गैस संकट है। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण एनर्जी सप्लाई प्रभावित हुई है। सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए सप्लाई फैक्ट्रियों से हटाकर घरों की ओर मोड़ दी है। इसका सीधा असर कांच बनाने वाले उद्योगों पर पड़ा है, जो गैस पर निर्भर होते हैं।

पिछले 400 साल से कांच उद्योग का केंद्र रहा उत्तर प्रदेश का फिरोजाबाद इस संकट का सबसे बड़ा शिकार बना है। यहां के कारखाने नेचुरल गैस से चलते हैं। कांच बनाने की भट्टियां 1500एष्ट तापमान पर लगातार चलती रहती हैं। अगर ये ठंडी पड़ जाएं तो दोबारा चालू करने में हफ्तों का

समय और अरबों रुपये का खर्च लगता है।

गैस सप्लाई कम होने के कारण कई कंपनियों को उत्पादन 50 प्रतिशत तक घटाना पड़ा है। कांच की कीमतें 20 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। कई कंपनियों ने नए ऑर्डर लेना बंद कर दिया है और विस्तार योजनाएं रोक दी गई हैं। ग्लोबल कंपनियों को सप्लाई करने वाले उद्योग भी इस संकट से जूझ रहे हैं। कांच की कमी का असर सिर्फ बोतलों तक सीमित नहीं है। दूध की बोतलें, जैम के जार, दवाइयों की शीशियां, कॉस्मेटिक पैकेजिंग, सबकी सप्लाई प्रभावित हुई है। कुछ कंपनियों को पैकेजिंग लागत 30 प्रतिशत तक बढ़ानी पड़ी है। एस आर ग्लास के प्रबंध निदेशक प्रांजल मित्तल को उम्मीद है कि कांच उत्पादन में यह रुकावट महीनों तक चलेगा। उनका कहना है, 'अगर युद्ध एक सप्ताह बढ़ता है, तो हमारा कारोबार एक महीने के लिए गड़बड़ा जाता है। इसका मतलब है कि अभी अगले चार महीने बिगड़ चुके हैं।'

भारत की क्या है कमजोरी

भारत अपनी गैस जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। लगभग 50 प्रतिशत नेचुरल गैस आयात होती है। करीब 40 प्रतिशत सिर्फ कतर से आता है। लगभग 90 प्रतिशत आयात मिडिल-ईस्ट से होता है। यही वजह है कि वैश्विक संकट का सीधा असर घरेलू उद्योगों पर पड़ रहा है। गैस की कमी का असर सिर्फ उद्योगों तक सीमित नहीं है। रेस्टोरेंट, ढाबे और छोटे फूड बिजनेस भी की कमी से जूझ रहे हैं। इसका असर शादी सीजन और रोजमर्रा की जिंदगी पर भी दिख रहा है। हालांकि सीजफायर की घोषणा हुई है, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि हालात जल्द सामान्य नहीं होंगे। ग्लास इंडस्ट्रीज से जुड़े कारोबारी मानते हैं कि अगर युद्ध एक हफ्ता भी बढ़ता है, तो इसका असर कई महीनों तक चलता है।

85 प्रतिशत से ज्यादा टूट गया था शेयर, अब दो महीने से भी कम में 70 प्रतिशत उछला शेयर का दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। 85 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़कने के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों ने जबरदस्त वापसी की है। ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में पिछले कुछ दिन से तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली इस कंपनी के शेयर गुरुवार को 20 पर्सेंट के उछाल के साथ 36.34 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयर टूटकर 2 मार्च 2026 को 21.21 रुपये पर जा पहुंचे थे और 52 हफ्ते का नया निचला स्तर बनाया था। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर अब इस लेवल से 70 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 71.24 रुपये है।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयर पिछले कुछ महीनों से दबाव में रहे हैं। कंपनी के शेयर अपने अब तक के उच्चतम स्तर (ऑल टाइम हाई लेवल) से 85 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए थे। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 20 अगस्त 2024 को 157.40 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर लुढ़कते हुए 2 मार्च 2026 को 21.21 रुपये पर जा पहुंचे थे। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 9 अगस्त 2024 को बाजार में लिस्ट हुए थे। ओला इलेक्ट्रिक का मार्केट कैप गुरुवार 9 अप्रैल को 16000 करोड़ रुपये के पार जा पहुंचा है।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में पिछले 5 दिन में 42 पर्सेंट की तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर 2 अप्रैल 2026 को 25.59 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 9 अप्रैल 2026 को 36.34 रुपये पर जा पहुंचे हैं। अगर इस साल 30 मार्च से देखें तो ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में 59 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 22.80 रुपये से 36 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। पिछले एक महीने में ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में

56 पर्सेंट की तेजी आई है। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ दांव लगाने के लिए 2 अगस्त 2024 को खुला था और यह 6 अगस्त तक ओपन रहा। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 76 रुपये था। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ टोटल 4.45 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 4.05 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, एंप्लॉयीज कैटेगरी में 12.38 गुना दांव लगा था। आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों की कैटेगरी में 2.51 गुना दांव लगा।

नूपुर ने की रैंप वॉक जीता फैंस का दिल

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडलिस्ट बॉक्सर नूपुर श्योराण ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था। इसमें वह साड़ी में रैंप वॉक करती बेहद खूबसूरत नजर आईं। वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडलिस्ट नूपुर श्योराण ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह रैंप वॉक कर रही थी। लाल रंग की साड़ी में वह बेहद खूबसूरत और किसी हिरोइन से कम नहीं लग रही थी। ये वीडियो उन्होंने जनवरी में शेयर किया था। फैंस ने भी इस वीडियो को खूब प्यार दिया और एक यूजर ने लिखा, 'आप रवीना टंडन की तरह लग रही हों।' इसी इवेंट का उन्होंने एक और वीडियो शेयर किया, जिसके साथ कैप्शन में लिखा, 'आपको कोम्प्रोमाईज़ नहीं करना चाहिए, जब आप दोनों चीजें कर सकती हों।' वीडियो के पहले हिस्से में वह बॉक्सिंग कर रही हैं और दूसरे हिस्से में रैंप वॉक। लाल रंग की साड़ी, खुले बालों के साथ लाल रंग की बिंदी, उनपर जच रही थी।

नूपुर श्योराण का जन्म 26 सितंबर, 1998 को हरियाणा के भिवानी में हुआ था। उन्होंने एक बार बताया था कि उन्हें बॉक्सिंग की प्रेरणा उनके पिता और दादाजी से मिली। 2005 में उनके पापा ने एक अकैडमी शुरू की, जिसमें काफी ऐसे बच्चे आते थे जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती थी। जब वह मैडल लेकर आते थे, तब उन्हें देखकर ही नूपुर ने सोचा था कि उन्हें भी बॉक्सर बनना है। नूपुर श्योराण ने 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद बॉक्सिंग शुरू की। वह अब रेलवे में जॉब करती हैं। 5 बार की राष्ट्रीय चैंपियन नूपुर ने 2024 में महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था। 2025, अस्ताना वर्ल्ड कप में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था। पिछले साल ही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेली अविश्वसनीय पारी

मुकुल का मैजिक: 27 गेंदों में नाबाद 54 रन ठोककर मैच पलटा

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में गुरुवार रात, जब कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स लगभग हार की कगार पर थी, तब मुकुल ने 27 गेंदों में नाबाद 54 रन ठोककर मैच पलट दिया। 24 गेंदों पर 54 रन चाहिए थे, टीम के 7 विकेट गिर चुके थे।।। और सामने सिर्फ टेलेंडर्स। शुरुआत भी आसान नहीं रही- पहली 5 गेंदों पर सिर्फ 1 रन। लेकिन इसके बाद जो हुआ, वो 'फिनिशर मोड' था- अगली 22 गेंदों में 53 रन, जिसमें 7 छक्के शामिल थे।

मुकुल ने मैच के बाद बताया, 'मैंने ये शॉट बचपन से प्रैक्टिस किया है। मुझे हमेशा धोनी का फिनिशिंग स्टाइल पसंद रहा। वो यॉर्कर पर भी छक्का मार देते थे।।। और जब आप ऐसा करते हैं, तो गेंदबाज सोचने पर मजबूर हो जाता है।'

मुकुल की ताकत सिर्फ नेचुरल पावर नहीं, बल्कि कड़ी मेहनत का नतीजा है। उन्होंने खुद कहा, मेरी बॉडी थोड़ी पावरफुल है, लेकिन मैं रोज 100-150 छक्कों की प्रैक्टिस करता हूं। इससे बैट स्पीड डेवलप होती है। पिछले 5-6 महीनों से मैंने इस पर बहुत काम किया है।'

पहले ही दे चुके थे संकेत

आईपीएल से पहले ही मुकुल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफीमें अपनी झलक दिखा दी थी। उन्होंने राजस्थान की ओर से खेलते हुए दिल्ली के खिलाफ रनों की बारिश कर दी थी।इस टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट 198.85 रहा, जो बताता है कि ये 'वन-नाइट वंडर' नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ फिनिशर है।

वैशाली ने फिडे चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक के खिलाफ खेला ड्रॉ

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू न फिडे चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विमेंस कैटेगरी के 10वें राउंड में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक के खिलाफ ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ से मिले आधे पॉइंट्स के साथ वैशाली टॉप पर पहुंच गईं। दूसरी ओर, भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। ओपन कैटेगरी में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को उज्बेक के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा इस हार के बाद 7वें नंबर पर खिसक गए। टूर्नामेंट साइप्रस के पाफोस में खेला जा रहा है। अभी चार राउंड बाकी हैं।

ब्राजील की गेंदबाज ने किया कमाल, चटकाए 9 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील की तेज गेंदबाज लॉरा कारडोसो ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह पुरुषों या महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गई। कारडोसो ने लेसोथो के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार रन देकर नौ विकेट

चटकाए जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े है। लेसोथो की टीम 13 रन पर सिमट गई।लॉरा कारडोसो ने गैबोरोन में बोत्सवाना क्रिकेट संघ ओवल दो मैदान पर बीसीए कालाहारी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल की। पिछला रिकॉर्ड भूटान की सोनम येशे के नाम था जिन्होंने 2025 में पुरुषों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में म्यांमार के खिलाफ सात रन देकर आठ विकेट लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय में कारडोसो ने इंडोनेशिया की रोहमालिया के 2024 में मंगोलिया के खिलाफ बिना रन के सात विकेट चटकाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। गुरुवार को हुए मैच में ब्राजील ने रॉबर्टा एवरी (35 गेंद पर 48 रन) और मोनिके मचाडो (41 गेंद पर नाबाद 69 रन) की शानदार पारियों की मदद से 202 रन का बड़ा स्कोर बनाया।

आयुष शेट्टी ने सेमीफाइनल में किया प्रवेश

विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के आयुष शेट्टी ने एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। आयुष शेट्टी पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को मात दी है। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को हराया। इस तरह आयुष ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 25वीं रैंकिंग के शेट्टी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में क्रिस्टी को 23-21, 21-17 को हराया। टूर स्तर पर शेट्टी और क्रिस्टी के बीच यह पहला मुकाबला था। क्रिस्टी एशियाई खेलों और एशियन चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता हैं। इतना ही वह 2020 में थॉमस कप जीतने वाली इंडोनेशियाई टीम का भी हिस्सा थे। यूएस ओपस सुपर 300 के गत चैंपियन शेट्टी ने इससे पहले गुरुवार को राउड ऑफ 16 में चीनी ताइपे के 20वीं रैंकिंग के ची यू जेन को हराया था।

बिली जीन किंग कप

भारत को इंडोनेशिया के खिलाफ मिली हार

नई दिल्ली, एजेंसी। बिली जीन किंग कप ग्रुप-। एशिया/ओशिआना मुकाबलों में भारत को गुरुवार को इंडोनेशिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में इंडोनेशिया ने दोनों सिंगल्स मैच जीतकर अजेय बढ़त हासिल कर ली। पहले सिंगल्स मुकाबले में वैष्णवी अडकर को प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो के खिलाफ कड़े मुकाबले में 7-6(3), 6-7(3), 6-3 से हार झेलनी पड़ी। मैच काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां अडकर ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबला निर्णायक सेट तक पहुंचाया, लेकिन तीसरे सेट में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने बाजी मार ली। दूसरे सिंगल्स में सहजा यमलापल्ली को जेनिस त्जेन के खिलाफ 6-2, 6-1 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा, जिससे इंडोनेशिया ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। खबर लिखे जाने तक रुतुजा भोसले और अंकिता रैना इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ डबल्स मुकाबला खेल रही थीं। अन्य मुकाबलों में कोरिया गणराज्य ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। दायोन बैक ने वैलेंटिना इवानोव को 7-5, 6-3 से हराया, जबकि सोह्युन पार्क ने मोनिक बैरी को 6-0, 6-1 से हराकर टीम की जीत पक्की कर दी। कोरिया और इंडोनेशिया दोनों ही टीमें अब तक अपने सभी मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष पर बनी हुई हैं।

ब्रागा और रियल बेटिस के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर

ब्रागा, एजेंसी। यूईएफए यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। एस्टाडियो म्युनिसिपल डे ब्रागा में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। मैच की शुरुआत में ब्रागा ने आक्रामक अंदाज अपनाया और इसका फायदा उन्हें जल्दी ही मिल गया। डिएगो रोड्रिग्स के कॉर्नर पर फ्लोरियन ग्रिलिट्श ने शानदार फ्लिक के जरिए गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलाई। इस शुरुआती गोल ने घरेलू टीम को आत्मविश्वास दिया और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, रियल बेटिस ने धीरे-धीरे वापसी की कोशिश की। 24वें मिनट में मार्क बार्ट्रा ने हेडर के जरिए बराबरी का मौका बनाया, लेकिन गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। इसके बाद भी बेटिस ने दबाव बनाए रखा और ब्रागा के गोलकीपर लुकास हॉर्निसेक को कई बार सतर्क रहना पड़ा, खासकर कुचो हर्नांडेज के क्लोज-रेंज

हेडर को रोकते समय।दूसरे हाफ में मैच और रोमांचक हो गया। बेटिस ने आक्रमण को तेज करने के लिए बदलाव किए, जिसमें विंगर एंटनी को मैदान पर उतारा गया। हालांकि, ब्रागा ने भी मौके बनाए और ग्रिलिट्श का एक शॉट गोलकीपर पाऊ लोपेज ने शानदार तरीके से बचाया। मैच का टर्निंग पॉइंट तब आया जब ब्रागा के जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने बॉक्स में फाउल कर दिया, जिससे बेटिस को पेनल्टी मिली। कुचो हर्नांडेज ने इस मौके को भुनाते हुए गेंद को बाएं कोने में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए प्रयास किए, लेकिन कोई और गोल नहीं हो सका। अब यह मुकाबला दूसरे लेग में तय होगा, जो 16 अप्रैल को सेविले में खेला जाएगा।

बाबर आजम ने तोड़ा गेल का रिकार्ड, सबसे तेज 12 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के स्टार बैटर बाबर आजम ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के 15वें मुकाबले में कराची किंग्स के खिलाफ खेली नाबाद 87 रन की पारी के दम पर टी20 क्रिकेट में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। इस पारी के दम पर बाबर ने क्रिस गेल को पीछे छोड़ते हुए टी20 प्रारूप में सबसे कम पारियों में 12 हजार रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

बाबर आजम ने पेशावर जाल्मी के लिए खेलते हुए कराची किंग्स के खिलाफ 51 गेंदों पर 2 छक्के और 10 चौकों की मदद से नाबाद 87 रन की पारी खेली जबकि कुसल मेंडिस ने 52 गेंदों पर 109 रन बनाए और इस पारी के दौरान 4 छक्के और 14 चौके भी लगाए। इन दोनों की पारी के दम पर पेशावर ने कराची के खिलाफ 20 ओवर में 3 विकेट पर 246 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

बाबर ने तोड़ा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

बाबर आजम ने पीएसएल 2026 के 15वें मैच में कराची के खिलाफ नाबाद 87 रन बनाए और टी20 क्रिकेट में अपने 12000 रन पूरे कर लिए। यही नहीं वो इस प्रारूप में सबसे कम पारियों में 12000 रन बनाने वाले दुनिया के पहले बैटर भी बने। बाबर आजम ने ये कमाल 338 पारियों में किया और गेल से आगे निकल गए जिन्होंने ऐसा 343 पारियों में किया था।

टी20 प्रारूप में सबसे कम पारियों में 12 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने ऐसा 360 पारियों में किया था जबकि डेविड वार्नर ने ऐसे 368 पारियों में किया था और वो चौथे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में रोहित शर्मा 9वें नंबर पर हैं जिन्होंने 443 पारियों में अपने 12 हजार टी20 रन पूरे किए थे।

टी20 प्रारूप में सबसे कम पारियों में 12 हजार रन बनाने वाले टॉप-11 बैटर

338 पारी	बाबर आजम
343 पारी	क्रिस गेल
360 पारी	विराट कोहली
368 पारी	डेविड वार्नर
405 पारी	जोस बटलर
406 पारी	फाफ डु प्लेसिस
416 पारी	जेम्स विंस/क्विंटन डिकॉक
432 पारी	एलेक्स हेल्स
443 पारी	रोहित शर्मा
451 पारी	शोएब मलिक
550 पारी	कीरोन पोलार्ड

महज 17 की उम्र में रेस वॉकिंग में एलिश एक्का ने रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। 12वीं की बोर्ड परीक्षा खत्म होने के महज 48 घंटे के भीतर जब कोई 17 साल की छात्रा राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पोडियम पर पदक के साथ खड़ी हो तो वह पल किसी चमत्कार से कम नहीं लगता। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के एक साधारण से गांव संतोषपुर की एलिश एक्का ने कुछ ऐसा ही किया है। एलिश एक्का के गले में चमकता रजत पदक सिर्फ एक खेल की जीत नहीं, बल्कि उनकी मां के अथाह त्याग और अदम्य साहस का एक सुंदर उदाहरण भी है।

एलिश की कहानी की शुरुआत हॉकी के मैदान से होती है। एलिश की मां प्रमिला एक्का खुद राज्य स्तर की हॉकी खिलाड़ी रह चुकी हैं। प्रमिला को पारिवारिक जिम्मेदारियां और आर्थिक तंगी के कारण अपना खेल छोड़ना पड़ा था।

मां की तरह एलिश ने भी बतौर स्ट्राइकर हॉकी में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखा। हालांकि, टीम स्पोर्ट्स में मिलने वाले सीमित अवसरों ने एलिश को अपने खेल सफर पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर किया।

ऐसा विचार आने के बाद एलिश ने गांव से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित 'बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम' के कोचों से बात की और फिर हॉकी छोड़कर 'रेस वॉकिंग' में करियर बनाने का बेहद साहसिक कदम उठाया।

पढ़ाई, कड़ी मेहनत और शानदार जीत

एलिश ने पिछले दो साल में बोर्ड परीक्षा की तैयारी और कड़ी ट्रेनिंग के बीच बेहतरीन संतुलन बनाए रखा। अभ्यास के लिए एलिश को अक्सर लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। इस अनवरत मेहनत का फल तब मिला जब एलिश ने जगदलपुर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स (चढ्ढ्रञ्जत्र) 2026 में महिला दस हजार मीटर रेस वॉक में 1:04।59 का समय निकालकर रजत पदक जीता।

एलिश एक्का के मुताबिक, ''शुरुआत में यह बहुत मुश्किल था क्योंकि मैंने पहले कभी रेस वॉक नहीं की थी, लेकिन कोच ने मुझसे कहा कि अगर कड़ी मेहनत करूंगी तो इस खेल में अच्छा कर सकती हूं। मैंने उन पर भरोसा किया और अपना सर्वश्रेष्ठ देने का फैसला किया।''एलिश एक्का की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स (खेलो इंडिया जनजातीय खेल) के लिए रवाना होने से ठीक एक दिन पहले ही उन्होंने 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा दी थी।एलिश एक्का ने बताया, ''मेरे पास (केआईटीजी) की तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं था। मैंने परीक्षा खत्म की और यह सोचकर यहां आई कि बस अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। जब मैंने फिनिश लाइन पार की और महसूस किया कि मैंने पदक जीत लिया तो सबकुछ बहुत अविश्वसनीय लगा।'' एलिश की उपलब्धि के पीछे मां प्रमिला का लंबा संघर्ष छिपा है। चार लोगों के परिवार में प्रमिला इकलौती कमाने वाली हैं। वह ज्वेलरी स्टोर में काम करती हैं और करीब पांच हजार रुपया महीना कमाती हैं। इस मामूली आय में वह न सिर्फ घर चलाती हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती हैं कि एलिश और कक्षा 3 में पढ़ने वाले उनके बेटे की हर इच्छा पूरी हो।

एमपी के 68 कॉलेजों में शुरू होंगे एआई कोर्सेस

आईआईटी दिल्ली के सहयोग से विद्यार्थियों को बड़ी सुविधा

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश में कॉलेजों के स्टूडेंट के लिए बड़ी पहल की गई है। यहां परंपरागत विषयों से पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के 68 महाविद्यालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानि एआई एवं फिनटेक विथ एआई कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। ये ऑनलाइन सर्टिफिकेट होंगे जिससे स्टूडेंट आसानी से रोजगार से जुड़ सकेंगे। प्रदेश में नए शैक्षणिक सत्र में 68 महाविद्यालयों में एआई आधारित पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा। इनमें प्रदेश के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के साथ स्वायत्त महाविद्यालय भी शामिल हैं। एआई एवं फिनटेक विथ एआई कोर्स प्रदेश के इन कॉलेजों में आईआईटी दिल्ली के सहयोग से संचालित किए जाएंगे।

प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में परंपरागत पाठ्यक्रमों की पढ़ाई तो चल ही रही है, इसके साथ ही यहां के विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए भी कई कवायदें की जा रही हैं। इसके लिए महाविद्यालयों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने को लेकर महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा दिल्ली आईआईटी के सहयोग से यह काम किया जा रहा है। प्रदेश के 68 शासकीय महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एआई एवं फिनटेक विथ एआई के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। इनमें 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस तथा 13 स्वायत्त महाविद्यालय शामिल हैं। यह कोर्स आईआईटी दिल्ली के सहयोग से संचालित किया जाएगा। विद्यार्थियों को इसकी सुविधा नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मिलना शुरू होगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने को लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार प्रदेश के कॉलेजों में रोजगारोन्मुखी शिक्षा की बात लगातार कहते रहे हैं। उनका मानना है कि यहां ऐसे कोर्सेस की पढ़ाई कराई जाए जिनकी उद्योगों को जरूरत है। इससे स्टूडेंट को आसानी से नौकरियां मिल सकेंगी।

2000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस वर्ष 2000 विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं फिनटेक विथ आई के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यम से प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम चरण में यह लक्ष्य 1000 विद्यार्थियों का था, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है।

नवीन शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों को मिलेगा पाठ्यक्रमों का लाभ

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने बताया कि महाविद्यालयों में परंपरागत विषयों से पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे वे आसानी से रोजगार से जुड़ सकेंगे। प्रदेश के 68 महाविद्यालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं फिनटेक विथ एआई के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। प्रथम चरण की सफलता को देखते हुए छात्र संख्या को दोगुना कर दिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- मध्यप्रदेश के 68 महाविद्यालयों में संचालित होगा एआई आधारित पाठ्यक्रम
- नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 में होंगे प्रारंभ
- आईआईटी दिल्ली के सहयोग से संचालित होगा पाठ्यक्रम
- प्रदेश के 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में प्रारंभ होगा कोर्स
- 13 स्वायत्त महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम संचालित होगा

एसटीएफ एसआईटी की बड़ी सफलता

हैरी बॉक्सर गैंग का प्रमुख सदस्य एवं 20 हजार रुपये का इनामी फरार आरोपी मुरैना से गिरफ्तार

भोपाल, नप्र। हैरी बॉक्सर गैंग से संबंधित अशोकनगर, इंदौर, भोपाल एवं खरगोन जिलों में घटित संगठित अपराधों की विवेचना हेतु अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसटीएफ श्री डी. श्रीनिवास वर्मा के पर्यवेक्षण तथा उप पुलिस महानिरीक्षक (रेल) श्री राहुल लोढ़ा के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया था। इसी क्रम में एसटीएफ की विशेष अनुसंधान टीम को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। हैरी बॉक्सर गैंग के सक्रिय सदस्य एवं 20 हजार रुपये के इनामी फरार आरोपी प्रदीप शुक्ला को मुरैना जिले से गिरफ्तार किया है।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 11-12 फरवरी को थाना कोतवाली, जिला अशोकनगर में दर्ज अपराध के तहत स्थानीय व्यापारी को लॉरेन्स विश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुये हैरी बॉक्सर द्वारा फिरौती की धमकी दी गई थी। इस प्रकरण में पूर्व में अशोकनगर पुलिस द्वारा मनीष जांगिड़ (जयपुर), पवन शर्मा (गोरमी, भिण्ड) एवं दिनेश सुथार (बीकानेर, राजस्थान) को गिरफ्तार किया गया था। प्रकरण का मुख्य आरोपी प्रदीप शुक्ला निवासी डिफेंस कॉलोनी, जिला आगरा (उ.प्र.) घटना के बाद से फरार था, जिस पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। जांच में सामने आया कि आरोपी प्रदीप शुक्ला ने सह-आरोपी मनीष जांगिड़ को फरियादी के घर की रेकी एवं फायरिंग के लिए निर्देशित करते हुए गोरमी (भिण्ड) एवं गोवा से ऑनलाइन माध्यम से धनराशि उपलब्ध कराई थी। आरोपी प्रदीप शुक्ला हैरी बॉक्सर गैंग का प्रमुख सदस्य है, जिसके विरुद्ध पूर्व से फिरौती, रंगदारी एवं हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराधों के कुल 09 प्रकरण दर्ज हैं। फरारी के दौरान वह राजस्थान, पंजाब एवं उत्तरप्रदेश में लगातार स्थान बदलकर रह रहा था।

एसटीएफ एवं एसआईटी की विशेष टीमों द्वारा लगातार की जा रही पतारसी के फलस्वरूप दिनांक 08 अप्रैल को आरोपी को शिकारपुर, जिला मुरैना से आते समय गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध विधि अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अमित शर्मा, उपनिरीक्षक सतेन्द्र कुशवाह, उपनिरीक्षक भूपेन्द्र सिंह गुर्जर, आरक्षक अनुज सिंह तोमर, आरक्षक भोला शंकर, आरक्षक राहुल यादव, आरक्षक सौरभ गुर्जर एवं आरक्षक पवन शाक्य की सराहनीय भूमिका रही। मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं संगठित अपराधों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हेतु प्रतिबद्ध है। आमजन से अपील है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

15 अप्रैल से चालू होगा अमरनाथ यात्रा का पंजीयन, 19 से शुरू होगी चारधाम यात्रा

भोपाल निप्र। मध्यप्रदेश में गर्मी की दस्तक के साथ ही अब धार्मिक पर्यटन और तीर्थ यात्राओं की सरगर्मियां तेज हो गई है। अक्षय तृतीया पर केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चार धाम यात्रा की शुरुआत हो जाएगी। इसी प्रकार अमरनाथ यात्रा की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। इस यात्रा के लिए पंजीयन का सिलसिला 15 अप्रैल से चालू हो रहा है। इधर हज यात्रा के लिए भी 18 अप्रेल से फ़्लाइट की रवानगी की सिलसिला प्रारंभ होगा। ऐसे में कई लोग धार्मिक यात्राओं की तैयारियां कर रहे हैं।

अमरनाथ यात्रा जून जुलाई में प्रारंभ होती है, इसके लिए पंजीयन का सिलसिला 15 अप्रेल से शुरू हो जाएगा। ऑनलाइन के साथ तीन बैंक शाखाओं में ऑफलाइन पंजीयन होंगे। एक दो दिनों में तिथि भी घोषित होने की संभावना है। जेएंडके बैंक के प्रबंधक मंसूर अहमद ने बताया कि बैंक में 15 से पंजीयन की शुरुआत होगी, 20 यात्रियों का पंजीयन पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर होगा। चारधाम यात्रा की शुरूआत 19 अप्रेल से हो रही है। इसके लिए शहर से कई श्रद्धालु रवाना होंगे, ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के रिंकू भटेजा ने बताया कि इस वर्ष मंडल के तीन जत्थे यात्रा पर जा रहे हैं। इसमें पहला जत्था 30 अप्रेल, दूसरा 7 मई और तीसरा 11 मई को रवाना होगा। तीसरा जत्था में 50 से अधिक श्रद्धालु शामिल होंगे।

बारात में हर्ष फायरिंग करने वाला दूल्हा गिरफ्तार

ससुर के साथ पहुंचा जेल, कट्टा भी बरामद

फाइल फोटो

भोपाल, नप्र। प्रदेश की राजधानी भोपाल के परवलिया थाना क्षेत्र में शादी की खुशियां उस समय कानूनी पचड़े में बदल गई, जब दूल्हे और उसके रिश्तेदारों ने सरेआम हर्ष फायरिंग कर दी। घटना 8 अप्रैल की है, जब परवलिया स्थित DD फॉर्म हाउस में मिस्बा खान नामक युवक की बारात पहुंची थी।

दूल्हे ने जोश में खोया होश: बारात के स्वागत के दौरान दूल्हा मिस्बा खान और उसके परिजन अत्यधिक उत्साहित हो गए। पुलिस जांच के अनुसार, सबसे पहले दूल्हे के चाचा ससुर असलम खान ने अपने अवैध कट्टे से हवाई फायर किया। इसके बाद उसने वही कट्टा दूल्हे को थमा दिया, जिसके बाद दूल्हे ने भी बारात में नाचते हुए जोश में आकर गोलियां दाग दीं। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने इस पूरे वाकये का वीडियो बना लिया। शादी के जश्न के दौरान दूल्हे द्वारा की गई हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दूल्हे समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि दूल्हा मिस्बा खान, जो पेशे से प्रॉपर्टी ब्रोकर है, अपनी शादी के जश्न में इतना उत्साहित हो गया कि उसने अवैध हथियार से फायर कर दिया. शादी छ.छ. फॉर्म हाउस में आयोजित थी और बारात के पहुंचते ही माहौल जश्न में बदल गया. इसी दौरान कुछ लोगों ने इवेंट में इस्तेमाल होने वाली गन के साथ-साथ कट्टे से भी फायरिंग शुरू कर दी. गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और किसी को चोट नहीं आई। इस पूरी घटना का वीडियो बारात में शामिल लोगों ने बना लिया और उसे इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिया. वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दूल्हा डांस कर रहा है, उसके आसपास लोग नोट उड़ा रहे हैं और उसी दौरान फायरिंग की जा रही है। जैसे ही यह वीडियो पुलिस तक पहुंचा, पुलिस ने तुरंत मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी।

दूल्हे के चाचा ससुर ने पहले खुद की फायरिंग

जांच में सामने आया कि दूल्हे के चाचा ससुर असलम खान ने पहले खुद फायरिंग की और फिर अपने पास रखा अवैध कट्टा दूल्हे को थमा दिया. इसके बाद दूल्हे ने भी जोश में आकर फायर कर दिया. वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान की और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दूल्हे मिस्बा खान और असलम खान को गिरफ्तार कर लिया है. साथ ही असलम खान के कब्जे से अवैध हथियार भी जब्त किया गया है. पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। शादी जैसे खुशी के मौके पर की जाने वाली हर्ष फायरिंग कई बार गंभीर हादसों का कारण बन जाती है. कानूनन यह एक अपराध है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाती है।

भोपाल में भक्ति, सेवा और सनातन संस्कृति की अनुपम श्रृंखला, 11 अप्रैल को होगा 34वां संगीतमय सुंदरकांड पाठ

भोपाल में श्रद्धा, सेवा और सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम बन चुकी एक शाम छिंद वाले दादाजी के नाम धार्मिक श्रृंखला निरंतर लोगों की आस्था का केंद्र बनी हुई है। 8 जुलाई 2024 से प्रारंभ हुई यह श्रृंखला प्रत्येक माह के द्वितीय शनिवार को सायंकाल श्री परशुराम मंदिर में भक्तिभाव के साथ आयोजित की जा रही है। श्रृंखला के संयोजकों के अनुसार यह आयोजन केवल संगीतमय सुंदरकांड पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि धर्म प्रसार, सेवा, सम्मान और सामाजिक समरसता का व्यापक अभियान बन चुका है। आयोजन में श्रीराम और पवनपुत्र हनुमान जी के भजनों, चौपाइयों और सामूहिक पाठ से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठता है। अब तक इस श्रृंखला के अंतर्गत 33 संगीतमय सुंदरकांड पाठ सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं, जबकि 34वां पाठ 11 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जाएगा। इस अवधि में 2625 सनातन धर्म प्रेमियों का जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ सम्मान किया जा चुका है। साथ ही 1633 श्रद्धालुओं को श्रीरामचरितमानस अर्थ सहित तथा 63 श्रद्धालुओं को श्री शिव महापुराण वितरित किए गए हैं। राम का आधार = रामायण वितरण योजना इस श्रृंखला की विशेष पहचान बन चुकी है। इसके अंतर्गत बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को श्रीरामचरितमानस, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा, रुद्राक्ष, तुलसी माला, गौमुखी, सिंदूर, चुनरी, साड़ियां तथा अभिमंत्रित रुद्राक्ष मालाएं भेंट की गई हैं। आयोजन की सबसे आत्मीय परंपरा यह है कि प्रत्येक माह जिन श्रद्धालुओं की जन्मतिथि या वैवाहिक वर्षगांठ होती है, उन्हें मंच पर सम्मानित किया जाता है। इससे समाज में अपनत्व, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक एकता को बल मिल रहा है। विगत आयोजनों में अनेक महामंडलेश्वर, जगद्गुरु, पीठाधीश्वर, संत, महंत और राष्ट्रीय कथाकारों का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ है। उनके प्रेरक संदेशों ने इस धार्मिक श्रृंखला को विशेष आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की है। सेवा और समरसता की भावना को आगे बढ़ाते हुए अब तक 9 विशाल भंडारों का आयोजन भी किया जा चुका है, जिनमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रृंखला का 34वां संगीतमय सुंदरकांड पाठ 11 अप्रैल 2026, शनिवार को सायं 5 बजे से रात्रि 7 बजे तक श्री परशुराम मंदिर में आयोजित होगा। आयोजकों ने सभी सनातन धर्म प्रेमियों से उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र सिंह रावत ने किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार पर वोला बड़ा हमला

भोपाल। परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र सिंह रावत ने किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार पर बड़ा हमला बोला है उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश के किसानों युवाओं के साथ अन्याय बर्दास्त नहीं किया जाएगा सरकार के अधिकारी कर्मचारीयों द्वारा किसानों को लूटने का काम किया जा रहा है और उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवा रोजगार के लिए दर दर की ठोकरें खा रहे हैं और सरकार और सरकार किसान व युवाओं को लोली पोप के अलावा कुछ नहीं कर रही है उन्होंने कहा कि मन मोहिनी सरकार प्रदेश को बर्बाद करने पर तुली है अगर जल्द ही सरकार के द्वारा किसान व युवाओं हित कोई कदम नहीं उठाया तो परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया प्रदेश व्यापी आंदोलन व मुख्यमंत्री आवास को घेर ने का काम करेगी।

थाना हनुमानगंज पुलिस द्वारा अवैध नशे के कारोबार को किया ध्वस्त

नशे के इंजेक्शन की खेप के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

भोपाल, नप्र। शहर में शरीर संबंधी ,सम्पत्ति संबंधी एवं नशे के अवैध कारोबार के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने के संबंध मे मुखबिर तंत्र विकसित कर शत् प्रतिशत बरामदगी सुनिश्चित करने हेतु पुलिस आयुक्त नगरीय भोपाल श्री संजय कुमार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल श्री अवधेश गोस्वामी द्वारा प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये गये है । जिसके तारतम्य में पुलिस उपायुक्त जोन - 03,04 भोपाल श्री मयूर खंडेलवाल, अति. पुलिस उपायुक्त जोन-03 श्री शालिनी दीक्षित व सहायक पुलिस आयुक्त हनुमानगंज श्री राकेश सिंह बघेल के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी थाना हनुमानगंज निरीक्षक अवधेश सिंह भदौरिया ने टीम गठित कर मुखबिर तंत्र विकसित करते हुए अवैध नशे के इंजेक्शन के साथ आरोपी को गिरफ्तार करने मे सफलता अर्जित की हैं।

घटना का संक्षिप्त विवरणः- दिनाँक 08.04.26 की रात्री मे मुखविर सूचना पर सिंधी कालोनी चौराहे के पास मेन रोड पर संदेही राहुल मिश्रा पिता अवधेश मिश्रा उम्र 29 साल निवासी वार्ड नम्बर 16 न्यू बस स्टेण्ड सिटी स्टार होटल के पीछे बलपूर्वा सोहागपुर जिला शहडोल म.प्र. का होना बताया जिसकी तलासी लेने पर साथ मे रखे बैग मे एक पन्नी मे 130 नग इंजेक्शन व दूसरी पन्नी मे 255 नग BRUPRENORPHINE HYDROCHLORIDE INJECTION IP, RESTIGESIC इंजेक्शन मिले ,कुल 385 नग इंजेक्शन जिनमे कुल 770 एमएल ड्रग भरा होना पाया गया । उक्त व्यक्ति से वैंध लाईसेन्स मांगा जो नहीं होना बताया । आरोपी का कृत्य धारा 8/21 एनडीपीएस के अंतर्गत दंडनीय पाया जाने से आरोपी के कब्जे से उक्त मशरूका कीमती करीबन 21000 रूपये को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 163/26 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध किया गया ।

स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी

भोपाल, नप्र। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र विचरण करने वाले पषुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में भेजने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के गौवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने गुरूवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले 16 पषुओं को पकड़कर कांजी हाउस में भेजा जबकि 05 घायल/बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय आसरा भेजा तथा हाका पार्टी द्वारा 14 पशुओं को सड़कों से हटाया गया। निगम अमले ने 20 पशुओं को अरवलिया से महामृत्युंजय गौशाला कोकता भेजने की कार्यवाही की।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देष पर निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने शहर के गोविंदपुरा, जेके रोड, निजामुद्दीन कालोनी, अयोध्या बायपास मार्ग, आनंद नगर, रायसेन रोड, पटेल नगर चौराहा, लिंक रोड नं0 01 एवं 02, भदभदा सूरज नगर, साक्षी ढाबा, नेहरू नगर, वल्लभ भवन मंत्रालय, चूना भट्टी, कोलार रोड, प्रियंका नगर, रेल्वे स्टेशन, अशोका गार्डन, सेमरा, मीनाल रेसीडेंसी, भानपुर, भोपाल मेमोरियल अस्पताल, करोद चौराहा, नवीबाग आदि क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे 16 पषुओं को पकड़कर कांजी हाउस में भेजा जबकि 05 घायल/बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय आसरा भेजा तथा हाका पार्टी द्वारा 14 पशुओं को सड़कों से हटाया गया। निगम अमले ने 20 पशुओं को अरवलिया से महामृत्युंजय गौशाला कोकता भेजने की कार्यवाही की।

सैनी गैस एजेंसी के ग्राम इमलिया गोदाम में खाद्य विभाग की छापामार कार्यवाही

27 सिलिंडर में मिली 1 से 2.5 किलो कम गैस, 05 सिलिंडर में नही मिली कंपनी की सील

भोपाल, नप्र। अमेरिका, इजरायल और ईरान के युद्ध के बीच वैसे ही आम लोगों का जीवन गैस सिलेंडर में दिन व दिन परेशानी आने के कारण मुश्किल हो गया है। ऐसे में मुनाफाखोरी और कालाबाज़ारी का खेल जोरो पर है। इसका एक ताजा उदाहरण मप्र की राजधानी भोपाल में गुरुवार को खाद्य विभाग की शिकायत पर छापा मार कार्यवाही में सामने आया।

जिसमे खाद्य विभाग द्वारा शिकायत के आधार पर सैनी गैस एजेंसी के इमलिया स्थित गोदाम में सिलिंडर से लोड वाहन की जांच की। खाद्य व नापतौल विभाग की जांच के दौरान करीब 27 सिलिंडर में 1 से 2.5 किलो गैस कम पाई गई। तो वही 05 सिलिंडर में कंपनी की सील ही नही मिली।

गुरुवार को शिकायत मिलने पर चंद्रभान सिंह जादौन जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल के नेतृत्व में खाद्य विभाग के अधिकारि संदीप भार्गव तथा सहायक आपूर्ति अधिकारी सफदर ख़ान, सुनील वर्मा, तृणाल जांभोकर और वसुंधरा पेंड्रो कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा सैनी गैस एजेंसी के गोदाम स्थित

विदिशा रोड मालिखेड़ी में जांच की गई।

शिकायत प्राप्त उपरांत बकानिया आईओसीएल डिपो से सैनी इंडेन गैस एजेंसी के 342 नग भरे गैस सिलेंडर वाहन क्रमांक क्त्र8ळज्ञ0294 में लोड होकर फ़र्म श्री बालाजी ट्रांसपोर्ट ग्वालियर के ट्रक ड्ाइवर मोहम्मद सिराज द्वारा उक्त वाहन दिनांक 08/04/2026 को शाम को लोड कराकर दिनाक 09/04/2026 को प्रातः लगभग 12 घंटे बाद एजेंसी गोदाम ग्राम इमलिया में खड़ा हुआ। खाद्य विभाग को सूचना मिलने पर मौके पर टीम ने उपस्थित हो कार्यवाही की। गैस सिलेंडर का तौल करने हेतु नाप तौल विभाग को बुलाया गया और नाप तौल करवाया गया । तौल के दौरान कुल 342 नग में से 27 नग गैस सिलेंडर में 1 से 2.5KG गैस कम पाई गई। वही 05 नग गैस सिलेंडर जो डिपो से आए थे उनके कंपनी सील नहीं पाई गई। शेष गैस सिलेंडर में गैस सही पाई गई। मौके पर कार्यवाही करते हुए वाहन् क्रमांक UP78GT0294 और 342 नग भरे गैस सिलेंडर ड्राइवर से जप्त किए गए। उक्त वाहन को पुलिस थाना सूखी सेवनिया की अभिरक्षा में दिया गया। कम वजन के 310 नग गैस सिलेंडर अन्य कंपनी की गैस एजेंसी अभिषेक गैस एजेंसी और शेष 310 नग गैस सिलेंडर आईओसीएल कंपनी के सुपुर्दगी में दिया गया। गैस एजेंसी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया गया । जो न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

पूर्व में भी सैनी गैस एजेंसी के वाहन कम बजन के सिलिंडर मिल चुके है। इसपर भी खाद्य विभाग द्वारा थानां अयोध्या नगर में उनका वाहन जप्त करवा कार्यवाही की गई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, रेणु शर्मा द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर भोपाल, से मुद्रित तथा ई-3/23, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। **संपादक**– आशीष गोस्वामी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : narmadanewsttp@gmail.com, मोबाईल . 7697769136